7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 5 8

UPHIN51019 | वर्ष: 01, अंक: 24 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 08 जनवरी, 2024

विनोद के ऊपर कुल 35 मुकदमें

माफिया विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर

विनोद उपाध्याय पुत्र रामकुमार उपाध्याय मूल रूप से मयाबाजार थाना महाराजगंज, अयोध्या का रहने वाला था। अपराध की दुनिया का बड़ा नाम और उत्तर प्रदेश के टाप 61 माफिया की सूची में शामिल माफिया विनोद कुमार उपाध्याय पर एडीजी जोन गोरखपुर ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। गुरुवार की रात बदमाश विनोद उपाध्याय और एसटीएफ के मध्य सुल्तानपुर के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में मुठभेड़ हो गई।

सिर पर था एक लाख रुपये का इनाम

लखनऊ। यूपी एसटीफ ने गोरखपुर के कुख्यात माफिया विनोद उपाध्याय को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार की रात सुल्तानपुर में एसटीफ और माफिया के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया ढेर हो गया। विनोद उपाध्याय के सिर गोरखपुर पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी। जिसमें विनोद उपाध्याय गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अभियुक्त विनोद के ऊपर कुल 35 मुकदमें विभिन्न जनपदों के भिन्न–भिन्न थानों में दर्ज हैं, जिसमें हत्या व हत्या के प्रयास के कई मुकदमें भी शामिल हैं। प्रदेश के बड़े माफियाओं में विनोद उपाध्याय का नाम शामिल था। पुलिस अन्य विधिक कार्यवाही में जुटी है।

गोरखपुर के ही अधिकारी ने किया माफिया विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर, थप्पड़ के बदले कर दी थी हत्या

गोरखपुर। माफिया विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर यूपी एसटीएफ की टीम ने गुरुवार रात को कर दिया। सुबह घायल अवस्था में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां टीम ने मृत बता दिया। विनोद उपाध्याय एक लाख रूपये का इनामी था। विभिन्न जिलों में कुल 35 मुकदमें दर्ज थे। गोरखपुर के मूल निवासी और एसटीएफ डीएसपी दीपक सिंह की टीम के साथ ये विनोद की मुठभेड़ सुल्तानपुर में हुई थी। बताया जा रहा कि भागते वक्त उसके पास एक पिस्टल और स्टेनगन भी थी, जिससे वो हमलाकर भागने की फिराक में था। इसी दौरान एसटीएफ की गोली से घायल हो गया।

बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की रात सुल्तानपुर में एसटीफ और माफिया के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया ढेर हो गया। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी। दरअसल, 2004 में गोरखपुर जेल में बंद रहने के दौरान नेपाल के अपराधी जीत नारायण मिश्र ने विनोद को एक थप्पड़ मारा था। जिसके बाद 7 अगस्त 2005 को संतकबीरनगर में विनोद ने जीत नारायण की हत्या कर थप्पड़ का बदला लिया था। इस घटनाक्रम में जीत नारायण और उसका बहनोई गोरेलाल भी मारा गया था।

गोरखपुर पीडब्ल्यूडी कांड ने दहला दिया था

साल 2007 की बात है। करवा चौथ त्योहार के दिन एक टेंडर को लेकर पीडब्ल्यूडी पर माफिया विनोद उपाध्याय और अजीत शाही के बीच विवाद हो गया। विवाद गैंगवार में बदल गया। दूसरी तरफ से तब विनोद उपाध्याय गैंग पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। इसमें रिपुंजय राय और सत्येंद्र की मौत हो गई थी। हमले का आरोप लालबहादुर यादव गैंग पर लगा था। इस मामले में अजीत शाही, संजय यादव, इंद्रकेश पांडेय, संजीव सिंह समेत छह लोग जेल गए थे।

अयोध्या में तीन दशक पहले ढांचा गिरते देखा

प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए कारसेवा शुरू हुई तो देश के कोने–कोने से भक्त अयोध्या पहुंचे थे। अमेठी से भी हजारों श्रीराम भक्त अलग–अलग टोलियों में अयोध्या गए थे। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि भी उनमें से एक हैं। करीब तीन दशक पुराना दृश्य उनकी आंखों में आज भी ताजा है। राजेश खुद को सौभाग्यशाली मान रहे हैं।

संवाद सूत्र, अमेठी। प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए कारसेवा शुरू हुई तो देश के कोने–कोने से भक्त अयोध्या पहुंचे थे। अमेठी से भी हजारों श्रीराम भक्त अलग–अलग टोलियों में अयोध्या गए थे। कुछ रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिए गए तो कुछ विवादित ढांचा के एकदम पास तक पहुंचने में कामयाब रहे।अपनी आंखों के सामने ढांचा गिरते और फिर उसी जगह भव्य मंदिर का निर्माण होते देखने वाले भक्त भाव विह्वल हैं। उन्हें अब उस घड़ी का बेसब्री से इंतजार है जब उनके आराध्य प्रभु श्रीराम को भव्य धाम में विराजमान किया जाएगा।

तीन दशक पुराना दृश्य आज भी है ताजा

जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि भी उनमें से एक हैं। करीब तीन दशक पुराना दृश्य उनकी आंखों में आज भी ताजा है। राजेश अग्रहरि ने बताया कि अमेठी से 23 लोगों की टोली के साथ पैदल अमेठी से अयोध्या पहुंचे थे। उसमें गणेश कसौंधन, सुरेंद्र जायसवाल सहित अन्य लोग शामिल थे। जगह–जगह पर नाकेबंदी को चकमा देकर किसी तरह वह ढांचे के पीछे स्थित बगीचे तक पहुंच गए।

देखते रहे विध्वंस का दृश्य

तीन दिन तक घर वाले कोई सूचना नहीं पाए थे। बगीचे के बीच खड़े होकर वह ढांचा विध्वंस के दृश्य को देखते रहे। ऐरे–गैरे नत्थू खैरे, तेरी क्या औकात है, श्रीरामजी की बात–रामजी की बात है... का उद्घोष करते युवा कारसेवा में जुटे थे। राजेश कहते हैं कि वह खुद को सौभाग्यशाली मान रहे हैं कि अपनी आंखों के सामने ढांचा गिरते देखा था और अब उसी जगह अपने प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर को आकार लेते देख रहे हैं। 22 जनवरी उनके जीवन का सबसे यादगार दिन बनने जा रहा है, जब रामलला अपने भव्य धाम में विराजमान होंगे। यह जीवन का अविस्मरणीय पल है।

22 जनवरी को भव्य दीपावली होगी

राजेश अग्रहरि ने कहा कि मेरा यही प्रयास है कि घर–घर दीपावली मनाई जाए। इसके लिए पूरी तैयारी की जा रही है। अमेठी में 22 जनवरी को भव्य दीपावली होगी। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण मिला है। मैं अयोध्या कार्यक्रम में शामिल होने जाऊंगा और वापस लौटकर शाम को अमेठी में भव्य दीपावली मनाऊंगा।

अपने आपको मानता हूं भाग्यशाली

राजेश अग्रहरि ने कहा कि मैं अपने को बहुत बड़ा भाग्यशाली मानता हूं कि प्रभु के मंदिर में सवा करोड़ की दान राशि देने का मौका मिला। उसके बाद अयोध्या में अमेठी गेट सवा करोड़ से बनवाने का अवसर मिला। वहीं अब लंगर प्रसाद में मेरे मसाले का उपयोग होगा, यह बेहद सुखद है। श्रीराम जी की कृपा से सब कुछ मिला है। उन्हें सर्वस्व अर्पण है।

सिर्फ दहाड़ से कांप जाते हैं दुश्मन, जिन्हें देखकर भाग गए 15 भारतीयों को अगवा करने वाले समुद्री डाकू, कौन हैं डंतबवे कमांडो ?

मार्कोस कमांडो को समंदर का सिकंदर माना जाता है। यह पानी में भी मौत को मात देने में माहिर है और इनके नाम से भी दुश्मनों की रूह कांप जाती है। मार्कोस कमांडो इंडियन नेवी की खास यूनिट है जिन्हें पानी में दुश्मनों से लड़ने में महारथ हासिल है। फिलहाल इस स्पेशल यूनिट में 1200 कमांडो शामिल है जो देश की रक्षा में अपनी जान लगाने को तैयार रहते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के विशिष्ट समुद्री कमांडो 'मार्कोस' ने उत्तरी अरब सागर में लाइबेरिया के ध्वज वाले वाणिज्यिक जहाज के अपहरण के प्रयास पर कार्रवाई की है। शुक्रवार को मार्कोस ने 15 भारतीयों सहित चालक दल के सभी 21 सदस्यों को रेस्क्यू कर लिया है।दरअसल, पांच–छह हथियारबंद लोगों ने एमवी लीला नॉरफोक जहाज को अपहरण करने की कोशिश की थी। इसके बाद नौसेना ने मदद के लिए एक युद्धपोत, समुद्री गश्ती विमान, हेलीकॉप्टर और पी–8आई और लंबी दूरी के विमान और प्रीडेटर एमक्यू9बी ड्रोन तैनात किए। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा, "जहाज पर सवार 15 भारतीयों सहित चालक दल के सभी 21 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

गोरखपुर में गलन के बाद हुई बूंदाबांदी, तापमान लुढ़का

गोरखपुर। दिल्ली, लखनऊ होकर गोरखपुर आने वाली अधिकांश फ्लाइट हर दिन लेट हो रही है। शुक्रवार को मुंबई से आने वाली फ्लाइट भी कोहरे के चलते देर हो गई। शाम को आने वाली यह फ्लाइट करीब आधे घंटे देर से पहुंची। इसके चलते गोरखपुर से जाने वाली फ्लाइट भी देर से गई। गोरखपुर में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। शुक्रवार को पूरे दिन धुंध रहने और सर्द हवा के चलने से ठिठुरन बनी रही। शाम को बूंदाबांदी के बाद गलन और ठंड बढ़ गई। अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार को भी कोहरा और गलन बरकरार है।

दोपहर तक शहरी इलाकों में धुंध के चलते सूरज के दर्शन नहीं हुए। दोपहर में कुछ देर बाद सूरज दिखा, लेकिन ठंड का असर कम नहीं हुआ। शुक्रवार सुबह विजिबिलिटी 10 से 15 मीटर तक ही रही। मौसम विभाग ने गोरखपुर का न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। शाम को शहर से लगते ग्रामीण इलाकों में बूंदाबांदी हुई। मौसम वैज्ञानिक शफीक सिद्दकी ने बताया कि शनिवार को भी पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरा छाया रहेगा। कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना है। अभी नौ जनवरी तक मौसम ऐसे ही बना रहेगा।

विजिबिलिटी कम, वाहन चालक हुए परेशान

सड़कों पर धुंध के कारण विजिबिलिटी काफी कम रही। इस कारण चार पहिया वाहन रेंगते हुए चले। हादसे से बचाव के लिए लाइटें जलाकर रखीं। धुंध के कारण वाहन के पीछे अन्य वाहन कतार बनाकर चलते रहे। दिन भर लोगों को ठंड से कोई राहत नहीं मिली। अगले दिनों में भी ठंड का प्रकोप इसी प्रकार जारी रहेगा।

कोहरे में धीमी रखें रफ्तार, जलाकर रखें लाइटें

यातायात विभाग का कहना है कि कोहरा/धुंध में वाहन चालक रात के समय सफर करने से गुरेज करें। धुंध के बीच चलते समय वाहन के आगे व पीछे की लाइटें चालू रखें। लो बीम लाइट का इस्तेमाल करें। वाहन की रफ्तार धीमी रखें। आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाकर रखें, ताकि हादसों से बचा जा सके। वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाएं। दो पहिया वाहन चालक सड़क के मध्य में वाहन चलाने से गुरेज रखें व सड़क पर बनी सफेद पट्टी को ध्यान में रखते हुए वाहन चलाएं। हेलमेट अवश्य पहन कर रखें।

ठंड में बुजुर्ग व बच्चों का रखें विशेष ध्यान

फिजीशियन डॉ. राजीव जायसवाल ने कहा कि ठंड में बुजुर्ग व बच्चों का खासतौर पर ध्यान रखा जाना चाहिए। ठंडी चीजों का सेवन न करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। गर्म व हल्दी वाला दूध बच्चों व बुजुर्गों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यह सर्दी से बचने का मददगार साबित होगा। मधुमेह, रक्तचाप और अस्थमा के मरीज अपनी दवा बंद न करें। रक्तचाप और मधुमेह की नियमित तौर पर जांच करते रहें। ठंड के सीधे प्रभाव में आने से बचें।

हवाई सेवा प्रभावित व ट्रेन निरस्त होने से आ रही दिक्कत

दिल्ली, लखनऊ होकर गोरखपुर आने वाली अधिकांश फ्लाइट हर दिन लेट हो रही है। शुक्रवार को मुंबई से आने वाली फ्लाइट भी कोहरे के चलते देर हो गई। शाम को आने वाली यह फ्लाइट करीब आधे घंटे देर से पहुंची। इसके चलते गोरखपुर से जाने वाली फ्लाइट भी देर से गई। इसके अलावा दिल्ली से आने वाली वैशाली एक्सप्रेस करीब पौने दो घंटे और गोरखधाम एक्सप्रेस भी करीब दो घंटे की देरी से गोरखुपर पहुंची। इसके चलते भी प्रतिनिधियों ने अपनी यात्रा की तारीख बदली है।

सम्पादकीय

शर्मिला के कांग्रेस प्रवेश के होंगे दूरगामी परिणाम

पहले कर्नाटक फिर तेलंगाना में चुनावी सफलताएं हासिल करने के बाद अब दक्षिण भारत के एक और महत्वपूर्ण राज्य आंध्रप्रदेश में कांग्रेस के हाथ बड़ी बाजी लगी है जब वहां वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया है । पहले कर्नाटक फिर तेलंगाना में चुनावी सफलताएं हासिल करने के बाद अब दक्षिण भारत के एक और महत्वपूर्ण राज्य आंध्रप्रदेश में कांग्रेस के हाथ बड़ी बाजी लगी है जब वहां वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया है। वे आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी और वहां के वर्तमान मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं। गुरुवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी आदि की उपस्थिति में कांग्रेस में प्रवेश करने वाली शर्मिला ने ही 2012 में जगन मोहन की अनुपस्थिति में अपनी मां के साथ अपनी पार्टी की कमान सम्हाली थ। बाद में भाई को प्रदेश की सत्ता में बैठाने की वे ही सूत्रधार थीं। 2019 के विधानसभा चुनाव में जगन मोहन की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को 175 सीटों वाली विधानसभा में 151 निर्वाचन क्षेत्रों में सफलता मिली थी। 2021 में शर्मिला ने वाईएसआर तेलंगाना पार्टी बना ली थी। आंध्र प्रदेश के साथ अलग हुए तेलंगाना में भी उनकी पार्टी की उपस्थिति तो है परन्तु पिछले साल नवम्बर में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था जिससे कांग्रेस की विजय आसान हो सकी।

शर्मिला का कांग्रेस में शामिल होना केवल इसलिये महत्वपूर्ण नहीं है कि उन्होंने भाई से अलग राह पकड़ी। उसकी महत्ता इस लिहाज़ से आंकी जानी चाहिये कि उन्होंने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की तत्कालीन सरकार को भ्रष्ट बतलाया था। राव सरकार को भ्रष्टाचार के मामले में कोसने के बाद यदि शर्मिला कांग्रेस में शामिल होती हैं तो वे कांग्रेस को अप्रत्यक्ष रूप से साफ छवि का बतला रही हैं। याद हो कि शर्मिला ने राव सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किये थे। उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी।

माना जाता है कि उनके कार्यकर्ताओं ने पिछले तेलंगाना चुनावों में कांग्रेस को परोक्ष रूप से मदद भी की थी। इससे दोनों दलों के बीच नज़दीकियां बढ़ीं। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भी शर्मिला की पार्टी के कांग्रेस में विलय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस राज्य में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को टक्कर देने में तेलुगू देशम पार्टी एवं जन सेना को कामयाबी नहीं मिल पाई है। इस लिहाज से देखें तो शर्मिला का कांग्रेस में शामिल होना और उसे एक नेता और वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का पूरा का डर भी मुहैया करायेगा। इससे कांग्रेस के जनाधार में बड़ा विस्तार होगा जो इस वर्ष जून में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के पूरे परिदृश्य को बदलकर रख सकता है।

हालांकि यह कहना अभी थोड़ी जल्दबाजी होगी कि क्या इस चुनाव में भाई–बहन मुख्यमंत्री पद के परस्पर दावेदार होंगे। यह निर्भर करेगा कि कांग्रेस की ओर से उन्हें किस तरह की जिम्मेदारियां मिलती हैं और उन्हें पार्टी किस रूप में प्रोजेक्ट करती है। यह भी देखना होगा कि उसके पहले अप्रैल में होने जा रहे लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहता है। वहां लोकसभा की 25 सीटें हैं। इनमें से 22 वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पास और 3 पर टीडीपी का कब्जा है।

देखना होगा कि कांग्रेस को यहां कितनी सफलता मिलती है। फिर भी, इतना तो तय है कि शर्मिला न केवल आगामी दोनों ही चुनावों में बड़ी भूमिका निभायेंगी वरन वे ही कांग्रेस का प्रमुख चेहरा बनकर उभरेंगी। अभी वैसे भी कांग्रेस के पास जगन मोहन से मुकाबले के लिये बड़ा चेहरा नहीं है क्योंकि वे देश के सर्वाधिक अमीर मुख्यमंत्रियों में से एक हैं जो चुनावों में पैसा पानी जैसा बहाने के लिये जाने जाते हैं। अगर उनके खिलाफ कांग्रेस को उन्हीं के घर से कोई प्रत्याशी मिलता है तो उसके लिये इससे बेहतर भला और क्या हो सकता है? इस दृष्टिकोण से भी अगर कांग्रेस पहले ही उन्हें सीएम का चेहरा बनाकर उतारे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिये।

वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के विलय का अर्थ है कांग्रेस की दक्षिण भारत में किलेबन्दी का और मजबूत होना। कांग्रेस के लिये इस बार के लोकसभा चुनाव में वैसे भी दक्षिण भारतीय राज्य बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। माना जाता है कि उत्तर भारत की बजाये 2024 में दिल्ली की सत्ता का रास्ता दक्षिण से होकर गुजरेगा। भारतीय जनता पार्टी के लिये वैसे भी आंध्रप्रदेश में खोने को कुछ भी नहीं है परन्तु इस समय कांग्रेस यहां क्या हासिल करती है, यह महत्वपूर्ण है। शर्मिला द्वारा अपनी पार्टी का केवल गठबन्धन न कर उसके विलय का निर्णय यह भी बतलाता है कि प्रादेशिक दलों के लिये अब भाजपा की बजाये कांग्रेस को अधिक भरोसेमंद माना जाने लगा है।जो छोटे दल भाजपा प्रणीत एनडीए में शामिल हुए, उनका क्या हश्र हुआ– यह सबके सामने है। चूंकि ऐसे दलों में, खासकर दक्षिणी राज्यों में, प्रांतीय अस्मिता एक अहम मुद्दा होता है जिसे भुलाकर किसी राष्ट्रीय पार्टी में स्वयं का विलय कर देना भारतीय राजनीति में लम्बे समय के बाद देखी गई प्रवृत्ति कही जा सकती है। कांग्रेस प्रणीत इंडिया गठबन्धन हो या एनडीए– कोई भी दल विलीन नहीं हुआ है। शर्मिला सभी के मुकाबले एक कदम आगे बढ़ी हैं। यह उन्हें विश्वसनीयता तो दिलाएगा ही, उनकी सीएम पद की दावेदारी को भी पुख्ता करेगा। लोकसभा चुनाव के लिहाज से एक और कोण है जिस पर विचार करना होगा। वह यह कि तेलंगाना व कर्नाटक में पहले से कांग्रेस की सरकारें तो हैं ही, केरल में वामदल एवं तमिलनाडु में डीएमके के साथ वह लोकसभा चुनाव लड़ेगी। अब आंध्रप्रदेश में भी संगठन का बड़ा विस्तार सम्भावित है जिसका फायदा कांग्रेस को ज़रूर मिलेगा।

अडानी मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से विरोधियों में नहीं जगा विश्वास

सेबी हमेशा से अपनी जांच पूरी करने के लिए किसी भी समय सीमा से बंधने से इनकार करता रहा है और कहता रहा है कि ऐसी समय सीमा जांच की गुणवत्ता में हस्तक्षेप कर सकती है। इसने अदालत द्वारा नियुक्त पैनल को यह सिफारिश करने के लिए भी प्रेरित किया था कि जांच पूरी करने की समय सीमा को कानून में शामिल किया जाये ताकि यह नियामक पर बाध्यकारी हो। अडानी समूह के खिलाफ आरोपों की सेबी जांच की पर्याप्तता के विरूद्ध बहुप्रतीक्षित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न तो ठोस है और न ही निर्णायक। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बाजार के नियामक को अपनी जांच पूरी करने के लिए और तीन महीने का समय दिया है। अदालत ने संक्षेप में गेंद सरकार के पाले में डाल दी है, जिसे मोटे तौर पर कुख्यात कवर–अप में रुचि रखने वाली पार्टी माना जाता है। यदि सेबी इतने महीनों में जांच पूरी नहीं कर सकता है तो जाहिर तौर पर वह इस कार्य में लगा हुआ है, तो ऐसा कोई रास्ता नहीं है कि वह इसे तीन महीने में पूरा कर सके। इसलिए, समय का विस्तार इसमें काम नहीं आयेगा।

तीसरे पक्ष की संस्थाओं और मीडिया इकाइयों के निष्कर्षों पर अदालत का रुख कि ये विश्वास को प्रेरित नहीं करते हैं, वांछित होने के लिए बहुत कुछ छोड़ दिया जाता है। उसका कहना है कि ऐसे साक्ष्यों को अधिक से अधिक इनपुट के रूप में माना जा सकता है, लेकिन उसने अपने निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए उसी दृष्टिकोण का पालन करने से इनकार कर दिया है।

अदालत का अब तक का सबसे असंतोषजनक निष्कर्ष वह है जो केंद्र से यह देखने के लिए कहता है कि क्या शॉर्ट सेलिंग पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट द्वारा कानून का कोई उल्लंघन किया गया है और यदि ऐसा है तो देश के कानून के अनुसार कार्रवाई करें। संदेश के गुण–दोष पर जाने के बजाय, अदालत ने संदेशवाहक को गोली मारने के दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है। अडानी समूह के प्रति मोदी सरकार के रवैये को देखते हुए, ऐसी किसी भी कवायद के नतीजे की भविष्यवाणी करना मुश्किल नहीं है।

मीडिया रिपोर्टों और तीसरे पक्ष के खुलासे की विश्वसनीयता पर शीर्ष अदालत का रुख अधिकारियों को ऐसे निष्कर्षों के खिलाफ एक बाधा उपस्थित करता है। यह रुख इस तथ्य की सराहना करने में विफल है कि इस तरह के खुलासे से सामने आई जानकारी केवल इसलिए महत्वपूर्ण नहीं हो जाती क्योंकि ये सार्वजनिक डोमेन में आ गई हैं। न्यायालय की अस्वीकृति में एक अंतर्निहित ख़तरा है। यह टिप्पणी कि बाजार नियामक से प्रेस रिपोर्टों के आधार पर अपने कार्यों को जारी रखने की उम्मीद नहीं की जा सकती है, भविष्य में सभी मीडिया प्रश्नों के लिए पूर्ण अस्वीकृति के रूप में उपयोग किये जाने की संभावना है, हालांकि अदालत ने ऐसी रिपोर्टों को इनपुट के रूप में उपयोग करने पर कोई आपत्ति नहीं जताई है।

न्याय संहिता के अन्याय को परिवहन मजदूरों की चुनौती

मोदी सरकार द्वारा हाल में पारित कराए गए कथित 'नये' अपराध कानूनों में, जिनका औपनिवेशिक कानूनों के 'मुक्ति' के रूप में खूब ढोल पीटा जा रहा है।

अगर सरकार हड़बड़ी में, सड़क दुर्घटना में मौतों के मामले में वाहन चालकों के लिए सजा बढ़ाने जैसे कदमों का सहारा लेती है, तो उससे इस समस्या पर काबू पाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली है। सच्चाई यह है कि ड्राइवरों की लापरवाही से भी ज्यादा संख्या में इन मौतों के पीछे सड़कों की डिजाइन से लेकर रख–रखाव, भारी वाहनों के लिए मार्ग–अलगाव, अलग–अलग श्रेणी के वाहनों का अलगाव आदि–आदि की कमजोरियां काम करती हैं। मोदी सरकार द्वारा हाल में पारित कराए गए कथित 'नये' अपराध कानूनों में, जिनका औपनिवेशिक कानूनों के 'मुक्ति' के रूप में खूब ढोल पीटा जा रहा है, अब मूल नाम हिंदी में रखे जाने के सिवा, नया और औपनिवेशिकता–विरोधी क्या है, इसके लिए दूरबीन से खोजने की जरूरत है। लेकिन, एक चीज जो किसी एक या किन्हीं एक प्रकार के कानूनों के मामले में नहीं बल्कि आम तौर पर इस समूची 'न्याय संहिता' के बारे में ही सच है, वह है नागरिकों के अधिकारों को ज्यादा से ज्यादा घटाने की और सजाओं को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने की प्रवृत्ति, जो औपनिवेशिक राज की परंपरा के बनाए रखे जाने को ही नहीं आगे बढ़ाए जाने को भी दिखाती है।

औपनिवेशिक राज में ऐसी प्रवृत्ति का होना स्वाभाविक है क्योंकि यह प्रवृत्ति शासक और शासित के बीच बुनियादी अंतर्विरोध को दिखाती है। लेकिन, औपनिवेशिक शासन से आजाद हो चुके एक औपचारिक रूप से जनतांत्रिक देश में इस तरह की प्रवृत्ति का आगे बढ़ना, मौजूदा शासन के पूरी तरह से आम नागरिकों की विशाल संख्या के खिलाफ हो जाने को ही दिखाता है। लेकिन, जहां औपनिवेशिक शासन, आम जनता के विरोध के दमन के जरिए, अपने आम जनताविरोधी राज को बनाए रखने की कोशिश करता था, वर्तमान शासन धर्म के नाम पर सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार से, नागरिकों और खासतौर से बहुसंख्यक समुदाय की अपने हित की चेतना को कुंद करने के जरिए, ठीक यही करता नजर आ रहा है। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि इस कथित नयी न्याय संहिता के तहत एक 'सख्त' कर दिए गए कानून के खिलाफ परिवहन उद्योग की और खासतौर पर ड्राइवरों की देशव्यापी हड़ताल ने, नये साल के पहले दिनों में ही देश में अनेक जगहों पर, आपूर्तियों को बाधित कर, लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं और यहां तक कि बहुत सी जगहों पर वाहनों के ईंधन की भी गंभीर तंगी पैदा कर दी है, फिर भी सरकार के कान पर जूं तक रेंगती नहीं लगती है। क्यों? क्योंकि नये साल के पहले दिन, जब ट्रक आदि के ड्राइवरों की यह हड़ताल शुरू हुई, देश का शासन जैसे अयोध्या के अपने 30 दिसंबर के रोड शो, उदङ्घाटन, घोषणा कार्यक्रम से प्रधानमंत्री मोदी ने, जिस 'राम मंदिर' भुनाओ अभियान की विधिवत शुरूआत की थी, उसकी खुमारी से ही निकला नहीं था। तभी तो, जनजीवन को प्रभावित करने वाली किसी हड़ताल को संभालने के लिए, सामान्यतः किसी जनतांत्रिक व्यवस्था में जिस तरह के कदम उठाए जाते हैं, उस प्रकार के कदमों या चिंता का कहीं दूर–दूर तक अता–पता ही नहीं था। शासन निश्चिंत है, राम मंदिर के उदङ्घाटन से जुड़ा उसका अभियान, ऐसी हरेक आवाज को तुच्छ बना देगा। कहां इतना बड़ा काम हो रहा है और कहां ये ड्राइवर वगैरह,अपनी मामूली शिकायतें ले आए हैं।

ड्राइवरों की शिकायतों का मुद्दा एकदम सरल है। नये कानून में दुर्घटना में मौत की सजा को बढ़ाकर 'हत्या' की सजा के करीब पहुंचा गया है। अब तक दुर्घटना से मौत के लिए 2 साल की कैद का प्रावधान था। जाहिर है कि दुर्घटना होने की स्थिति में, ड्राइवर की लापरवाही को ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन, नये कानून में ऐसी मौत होने की सूरत में सजा सीधे बढ़ाकर 7 साल तक कर दी गयी है और इसके अलावा तगड़े जुर्माने का भी प्रावधान है। 'सख्ती' पर इसी जोर को आगे बढ़ाते हुए, 'हिट एंड रन' यानी वाहन चालक के दुर्घटना की जगह से भाग जाने की सूरत में, सजा और बढ़ाकर 10 साल की कैद तक कर दी गयी है और जुर्माना भी 7 लाख रुपए कर दिया गया है।

कहने की जरूरत नहीं है कि इस देश में कॉमर्शियल वाहनों के ड्राइवरों की जिंदगी की सच्चाइयों के संबंध में जरा सी भी बाखबर किसी भी सरकार ने, सजा के प्रावधानों में इस तरह की सख्ती लाने से पहले, अपने कदमों के प्रभाव पर बीस बार सोचा होता। और जाहिर है कि जनतांत्रिक व्यवस्था में संबंधित तबके से बातचीत के जरिए, उनके लिए कम से कम दिक्कतें पैदा करते हुए, अपना उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़ाने का रास्ता निकाला होता। लेकिन, जाहिर है कि वर्तमान सरकार ने इस पूरे मामले में ड्राइवरों को दोषी और उससे भी बढ़कर अपराधी की नजर से देखा जा रहा है। यह इसके बावजूद है कि यह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है कि कोई पेशेवर ड्राइवर, जान–बूझकर दुर्घटनाएं नहीं करता है।

बेशक, दुर्घटना में विक्टिम तो स्वतः स्पष्टङ्क होता है, लेकिन ड्राइवर को अपराधी और उसमें भी हत्या जैसे जघन्य अपराध के अपराधी की तरह देखा जाना भी किसी भी तरह से न्यायपूर्ण नहीं है। यहां वर्तमान शासन, 'जान के बदले जान' के आग्रह से संचालित लगता है, जिसकी जगह सिर्फ आदिम कानूनों में हो सकती है, आधुनिक न्याय व्यवस्था में नहीं।

एक ओर 7 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान और दूसरी ओर, दुर्घटना स्थल से भागने के नाम पर, जेल की सजा बढ़ाकर 10 साल किए जाने में, यह और भी साफ दिखाई देता है कि ये कानून बनाने वालों का वास्तविकताओं से कुछ लेना–देना ही नहीं था। वर्ना 7 लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान करते हुए, यह तो ध्यान में आया होता कि देश में पेशेवर ड्राइवर की आय औसतन पच्चीस–तीस हजार रुपए से ज्यादा नहीं होगी। ऐसे में करीब दो साल की कुल आय के बराबर जुर्माना कोई ड्राइवर कहां से भरेगा और वह भी तब जबकि जेल की सजा की अवधि कई गुना बढ़ाई जा रही है। लंबी सजा के साथ, ड्राइवर के बाकी परिवार के लिए भी जुर्माने की ऐसी रकम जुटाना मुश्किल होगा। बहरहाल, इससे भी ज्यादा वास्तविकताओं से कटा हुआ है, दुर्घटना स्थल से भागने के 'अपराध' के लिए जेल और जुर्माने, दोनों की सजा में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का फैसला।

दुर्घटना को इरादतन अपराध की तरह न देखने वाला कोई भी व्यक्ति इस सच्चाई को अनदेखा नहीं कर सकता है कि दुर्घटना में मौत होने की सूरत में, मृतक के परिजनों की ही नहीं, आम लोगों की भी प्रतिक्रिया बहुत बार काफी हिंसक हो जाती है। ऐसी सूरत में ड्राइवर से घटनास्थल पर रुके रहने की अपेक्षा करना, उससे जान–जोखिम में डालने की अपेक्षा करना है। रही पुलिस को सूचित करने की बात तो, ज्यादातर मामलों में कामर्शियल वाहनों के ड्राइवर घटनास्थल से भागकर, पुलिस के पास ही जाते हैं। यह अक्सर उनके लिए प्राणरक्षा के उपाय के तौर पर कारगर भी होता है। लेकिन, पुलिस और कॉमर्शियल वाहनों के ड्राइवरों के रिश्तों की हमारे यहां जो आम व्यवस्था उसमें यह भी, ड्राइवर के लिए आर्थिक रूप से काफी महंगा ही पड़ता है। ऐसे में पुलिस को सूचित करने–न करने की सूरत में सजाओं का भारी अंतर, पुलिस के हाथों में वसूली का एक औ हथियार बन सकता है। आखिरकार, इसका साक्ष्य तो पुलिस के ही हाथ में होगा कि उसके दुर्घटना करने वाले ड्राइवर ने खुद इसकी जानकारी दी थी, या पुलिस ने तफ्तीश में उससे संबंधित जानकारी 'निकलवाई' थी!

बेशक, हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में मौतें असह्यङ्क रूप से ज्यादा हैं। 2021 में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 1,53,792 मौतें दर्ज हुई थीं, जबकि 2018 में यही आंकड़ा 1,50,785 था। 2010 में सड़क दुर्घटना में मौतें 1.3 लाख ही रही थीं। साफ तौर पर यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। यह और परेशान करने वाली बात है कि जहां भारत में ये मौतें बढ़ती ही जा रही हैं, जबकि दुनिया के पैमाने पर इन्हीं मौतों में 5 फीसद की गिरावट दर्ज हुई है। लेकिन, अगर सरकार हड़बड़ी में, सड़क दुर्घटना में मौतों के मामले में वाहन चालकों के लिए सजा बढ़ाने जैसे कदमों का सहारा लेती है, तो उससे इस समस्या पर काबू पाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली है। सच्चाई यह है कि ड्राइवरों की लापरवाही से भी ज्यादा संख्या में इन मौतों के पीछे सड़कों की डिजाइन से लेकर रख–रखाव, भारी वाहनों के लिए मार्ग–अलगाव, अलग–अलग श्रेणी के वाहनों का अलगाव आदि–आदि की कमजोरियां काम करती हैं। लेकिन, ढांचागत क्षेत्र तथा सड़क निर्माण के बढ़ते निजीकरण के चलते, अब इन पहलुओं की बेहतर प्रौद्योगिकियां आने के बावजूद, पहले से भी ज्यादा उपेक्षा हो रही है। इसके ऊपर से हमारे देश में कथित गोरक्षा के जुनून में सड़कों पर आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या के लिए दरवाजे और खोल दिए गए हैं। ऐसे में भारतीय न्याय संहिता का गरीब वाहन चालकों को ही अपराधी बनाकर पीसना, न तो भारतीय है और न न्याय; ये तो सरासर अन्याय है।

बसपा शासन काल में विनोद उपाध्याय ने अपनी हनक और बढ़ा ली थी। उस समय जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन के पद पर उसने एक पूर्व विधायक के पक्ष के प्रत्याशी को हरवाकर अपने पक्ष के प्रत्याशी को चेयरमैन बनवाया था।

गोरखपुर में इस कांड के बाद चर्चा में आया माफिया, दिनदहाड़े इस नेता को मारी थी गोली

गोरखपुर। माफिया विनोद उपाध्याय का जरायम की दुनिया में बड़ा नाम था। विनोद उपाध्याय ने अपनी पहचान छात्र राजनीति के जरिए जमाई थी। बात 2002 विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव की है। इसमें विनोद ने अपने समर्थन के साथ छात्रसंघ पदाधिकारी का चुनाव एक व्यक्ति को लड़वाया था। चुनाव में उसकी जीत के साथ ही विनोद के हनक का सिक्का बाजार में चलने लगा। यही नहीं दो साल बाद इसने फिर से छात्रसंघ के प्रमुख पद पर अपने एक प्रत्याशी को लड़वाया। लेकिन लिंगदोह समिति के नियमों की वजह से वह चुनाव नहीं लड़ सका। इस बीच उसकी मौजूदगी जरायम की दुनिया में हो चुकी थी। वर्ष 2003 में विश्वविद्यालय के छात्रसंघ का चुनाव हुआ था। उस समय छात्रसंघ राजनीति प्रत्याशी कम और उसके समर्थकों की दबंगई पर आधारित हुआ करती थी। विनोद ने अपने साथी को चुनाव लड़ाया। इस समय तक विनोद के ऊपर आपराधिक मामले बहुत दर्ज नहीं थे और न ही विनोद को अपराधी की श्रेणी में गिना जाता था। चुनाव के पीछे मंशा थी कि अगर उसका प्रत्याशी चुनाव जीतता है तो उसकी धमक अपने आप बढ़ जाएगी। हुआ भी यही।
चुनाव बड़ी सरगर्मी से संपन्न हुआ। मतदान के दिन विश्वविद्यालय गेट के पास उसके और विरोधी गुट के प्रत्याशी के बीच जमकर मारपीट भी हुई। कहा जाता है कि विरोधी गुट के प्रत्याशी को ही विनोद के गुट ने जमकर पीट दिया था। चुनाव हुआ और परिणाम विनोद के पक्ष में आया। इसी जीत के बाद उसका कद उसके वर्ग के मनबढ़ लोगों के बीच बढ़ने लगा। 2006 में एक बार फिर छात्रसंघ का चुनाव हुआ। लेकिन इस बार इनके पक्ष के प्रत्याशी को लिंगदोह की शर्तों की वजह से मैदान से हटना पड़ा। इसी के बाद 2007 में पीडब्लूडी कांड हो गया। इस घटना में विनोद के साथ छात्रसंघ का प्रत्याशी भी आरोपी बना था। वर्तमान में आरोपित भाजपा से राजनीति का दावा करता है।

बसपा शासनकाल में बनवाया था अपना चेयरमैन

बसपा शासन काल में विनोद उपाध्याय ने अपनी हनक और बढ़ा ली थी। उस समय जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन के पद पर उसने एक पूर्व विधायक के पक्ष के प्रत्याशी को हरवाकर अपने पक्ष के प्रत्याशी को चेयरमैन बनवाया था। इसके बाद उसकी हनक अपने लोगों के बीच और बढ़ गई थी।

एमजीपीजी छात्रसंघ के शपथ ग्रहण में बना था मुख्य अतिथि

अपराधी विनोध उपाध्याय एक समय था युवाओं की पहली पसंद बना हुआ था। 2006 के एमजीपीजी छात्रसंघ चुनाव परिणाम के बाद नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि बनकर विनोद पहुंचा था। उसने नई कायकारिणी के पदाधिकारियों के पद की शपथ दिलाई थी।

नई उम्र के युवाओं को बनाया था सिपहसलार

विनोद 2007 पीडब्लूडी कांड के बाद अक्सर चर्चा में रहने लगा। उसके साथ युवाओं की लंबी टीम भी थी। जो इसके साथ लाइसेंसी असलहों को लेकर चलती थी। शादी विवाह हो या अन्य समारोह इस टीम के सदस्यों के दम पर विनोद अपनी पहचान अलग बना लेता था। इसी के साथ के दो अपराधी गंगेज पहाड़ी और दीपक सिंह की हत्या कर दी गई थी।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पर हमला कर आया था चर्चा में

विनोद उपाध्याय ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष पर जानलेवा हमला किया था। इस हमसे में उसके साथ कुछ अन्य सहयोगी भी थे। इसी हमले के बाद विनोद की चर्चा लोगों के बीच होने लगी।

गोरखपुर। सेना भर्ती कार्यालय वाराणसी की ओर मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अग्निवीर जनरल ड्यूटी की भर्ती रैली आयोजित है। बृहस्पतिवार को इसमें कुल 1360 अभ्यर्थियों को बुलाया गया। इसमें कुल 927 अभ्यर्थियों ने शारीरिक दक्षता परीक्षा में दौड़ लगाई। इसके बाद सभी का मेडिकल कराया गया। गुरुवार को रैली में वाराणसी, मऊ, गाजीपुर, सोनभद्र जिलों से अभ्यर्थियों को बुलाया गया। सेना अधिकारियों के मुताबिक इस दिन 68.16 फीसदी अभ्यर्थी ही उपस्थित रहे। अभ्यर्थियों की एंट्री रात 12 बजे के बाद हुई जिसके बाद दौड़ आयोजित की गई। इसमें पास होने वाले अभ्यर्थियों का आगे मेडिकल टेस्ट कराया गया।

झांसे में न आए नौजवान

अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों ने सभी अभ्यर्थियों को आगाह किया है। अधिकारियों ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है। लिखित परीक्षा पास करने वाले लोगों को ही शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए बुलाया गया है। परिसर के बाहर किसी भी अंजान व्यक्ति, भर्ती कराने का दावा करने वाले के झांसे में न आएं। किसी से रुपये का लेनदेन न करें। जो अभ्यर्थी दौड़ से लेकर मेडिकल टेस्ट तक पास करेंगे। उनको जरूर मौका मिलेगा।

गोरखपुर महोत्सवः सजने लगा मंच

25 हजार लोग एक साथ ले सकेंगे आनंद

गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव समिति के सचिव रविंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि गोरखपुर महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है। पांडाल लगाने का काम शुरू हो गया है। आठ जनवरी तक पंडाल को तैयार करा लिया जाएगा। महोत्सव के लिए स्टॉल के आवंटन की प्रक्रिया भी चल रही है। 11 से 13 जनवरी तक आयोजित गोरखपुर महोत्सव की तैयारी तेज हो गई है। चंपा देवी पार्क में इसका आयोजन किया जाना है। बुधवार को पार्क में महोत्सव के पांडाल का काम शुरू हो गया। आठ जनवरी तक पांडाल तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें करीब 25 हजार लोगों के बैठने का इंतजाम किया जा रहा है।
गोरखपुर महोत्सव में इस बार खान–पान के 35 स्टॉल लगेंगे। इन स्टॉलों देशभर के व्यंजनों का जायका मिलेगा। इसके अलावा इटालियन व्यंजन का भी लोग स्वाद चख सकेंगे। खान–पान में इस बार का विशेष आकर्षण केसरिया दूध और राजस्थान की रबड़ी–जलेबी होगी। इसके अलावा महोत्सव में पुस्तक मेले में इस बार 25 स्टॉल लगेंगे।
इनमें राजकमल सहित देशभर के प्रमुख प्रकाशक के स्टॉल होंगे। गोरखपुर महोत्सव में पहली बार गीता प्रेस का भी स्टॉल लगेगा। वहीं महोत्सव में विज्ञान मेले का भी आयोजन होना है। विज्ञान मेले में देशभर से आए उभरते हुए बाल वैज्ञानिक अपने मॉडलों का प्रदर्शन करेंगे। ये मेला वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला की देखरेख में संपन्न होगा। महोत्सव में 35 स्टॉल एक जिला एक उत्पाद(ओडीओपी), 10 स्टॉल हैंडलूम के और पांच स्टॉल खादी के होंगे। महोत्सव में 50 स्टॉल व्यावसायिक होंगे, इसमें देशभर के उत्पाद बिकेंगे।

17 तक चलेगा शिल्प मेला

महोत्सव परिसर में लगने वाले शिल्प मेले में हिस्सा लेने के लिए उत्तराखंड, राजस्थान, जम्मू–कश्मीर, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के 100 से अधिक शिल्पी गोरखपुर महोत्सव में पहुंचेंगे। गोरखपुर महोत्सव के शुरुआत के साथ ही शिल्प मेला सज जाएगा। महोत्सव भले ही तीन दिनों का है पर शिल्प मेला सात दिनों तक चलेगा। इस मेले में प्रतिदिन शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। 17 को कवि सम्मेलन से शिल्प मेले का समापन होगा।

बॉलीवुड व भोजपुरी नाइट में कलाकार मचाएंगे धमाल

गोरखपुर महोत्सव में इस बार भी बॉलीवुड और भोजपुरी नाइट का आयोजन होगा। बॉलीवुड नाइट में बी प्राक, सुरेश वाडेकर, कनिका कपूर और भोजपुरी कल्पना पटवारी अपनी सूरों का जलवा बिखेरेंगी।
इसके अलावा 250 से अधिक स्थानीय कलाकार भी मंच पर प्रस्तुति देंगे। गोरखपुर महोत्सव समिति के सचिव रविंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि गोरखपुर महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है।
पांडाल लगाने का काम शुरू हो गया है। आठ जनवरी तक पंडाल को तैयार करा लिया जाएगा। महोत्सव के लिए स्टॉल के आवंटन की प्रक्रिया भी चल रही है।

नए निदेशक ने हर कमरे में जाकर देखी व्यवस्था

एचओडी से ली जरूरतों की जानकारी

गोरखपुर। एम्स के नए कार्यकारी निदेशक प्रो. गोपाल कृष्ण पाल ने बृहस्पतिवार एम्स की ओपीडी का निरीक्षण किया। ओपीडी से लेकर आइपीडी तक पहुंचे कार्यवाहक निदेशक ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी की ओपीडी रेजिडेंट के भरोसे शुरू की जाएगी। इसके लिए जल्द ही शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके अलावा अन्य रिक्त पदों को भी जल्दी भरा जाएगा। प्रयास किया जाएगा कि यहां आने वालों को बेहतर इलाज मिले।
कार्यकारी निदेशक सुबह 10:30 बजे एम्स की ओपीडी पहुंचे। वहां डीडीए अरुण कुमार सिंह, सीएमएस मनोज कुमार सौरभ, आइपीडी प्रभारी डॉ. रुचिका अग्रवाल, डॉ. कनिष्क, डॉ. अजय भारती, डॉ. शशांक शेखर ने स्वागत किया। डॉ. रुचिका ने बताया कि प्रतिदिन करीब 2400 मरीज ओपीडी में आते हैं। एक चिकित्सक ऑनलाइन 105 व ऑफलाइन 45 मरीज देखते हैं। कार्यकारी निदेशक सबसे पहले पल्मोनरी विभाग पहुंचे, जहां डॉ. सुबोध ने चिकित्सीय सुविधा की जानकारी दी। इसके बाद दंत चिकित्सा विभाग पहुंचे जहां डॉ. शैलेश ने विभाग की जरूरतों की जानकारी दी। अस्थि विभाग में डा. अजय भारती ने जानकारी मुहैया कराई। कैंसर विभाग में डा. शशांक शेखर ने जानकारी दी। कार्यकारी निदेशक ने कैश काउंटर, रक्त जांच केंद्र, एमआरआई एवं सिटी स्कैन कक्ष में जाकर पूछताछ की। ओपीडी निरीक्षण के बाद कार्यकारी निदेशक ने आईपीडी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एनेस्थिसिया के डॉक्टरों से जानकारी लेने के बाद फिमेल सर्जरी वार्ड, मेल सर्जिकल वार्ड तथा सर्जिकल आईसीयू वार्ड का निरीक्षण किया।

एमबीबीएस के छात्रों से भी की बातचीत

कार्यकारी निदेशक ने प्रथम तल पर स्थित स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग का निरीक्षण कर इलाज की जानकारी ली। इसके बाद बाल रोग विभाग, सर्जरी विभाग की जानकारी ली। डा. गौरव गुप्ता ने निदेशक को संसाधनों से अवगत कराया। यहां एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्रों से भी कार्यकारी निदेशक ने बात की और रात में भोजन का निमंत्रण दिया।

एचओडी के साथ की मीलटग

दोपहर करीब 12:30 बजे तक सभी विभागों का निरीक्षण करने के बाद कार्यकारी निदेशक ने सभी विभागाध्यक्षों की भी बैठक ली। कार्यकारी निदेशक ने कहा कि एम्स में आने वाले जरूरतमंदों को समुचित इलाज मिले, यह पहली प्राथमिकता है। उपलब्ध संसाधनों का कैसे बेहतर प्रयोग करते हुए अधिकतम लोगों को चिकित्सा सुविधा दी जा सकती है, इसकी प्लानिंग करनी है। इसके लिए सभी विभागों में रिक्त पदों व संसाधनों की पूर्ति की जाएगी। जहां नए भर्ती की जरूरत है, वहां इसके लिए विज्ञापन जारी किए जाएंगे। ओपीडी आईपीडी के निरीक्षण किया गया। पहला निरीक्षण संसाधनों की जानकारी लेने के लिए था। चिकित्सा स्टॉफ की कमी के कारण एम्स का क्षमता के मुताबिक उपयोग नहीं हो पा रहा है। विभागों में पर्याप्त मात्रा में सीनियर डॉक्टर नहीं हैं, जिससे इलाज में दिक्कत आ रही है। इसको देखते हुए शिक्षकों की नियुक्ति को प्राथमिकता पर किया जाएगा। इसकी प्रक्रिया चल रही है। शिक्षकों की भर्ती का रिजल्ट जल्दी जारी किया जाएगा। जो पद रिक्त रह जाएंगे। उनके लिए दोबारा आवेदन मांगा जाएगा।

राम मंदिर के लिए तैयार हुआ 2100 किलो का घंटा

इस तारीख को पहुंचेगा अयोध्या

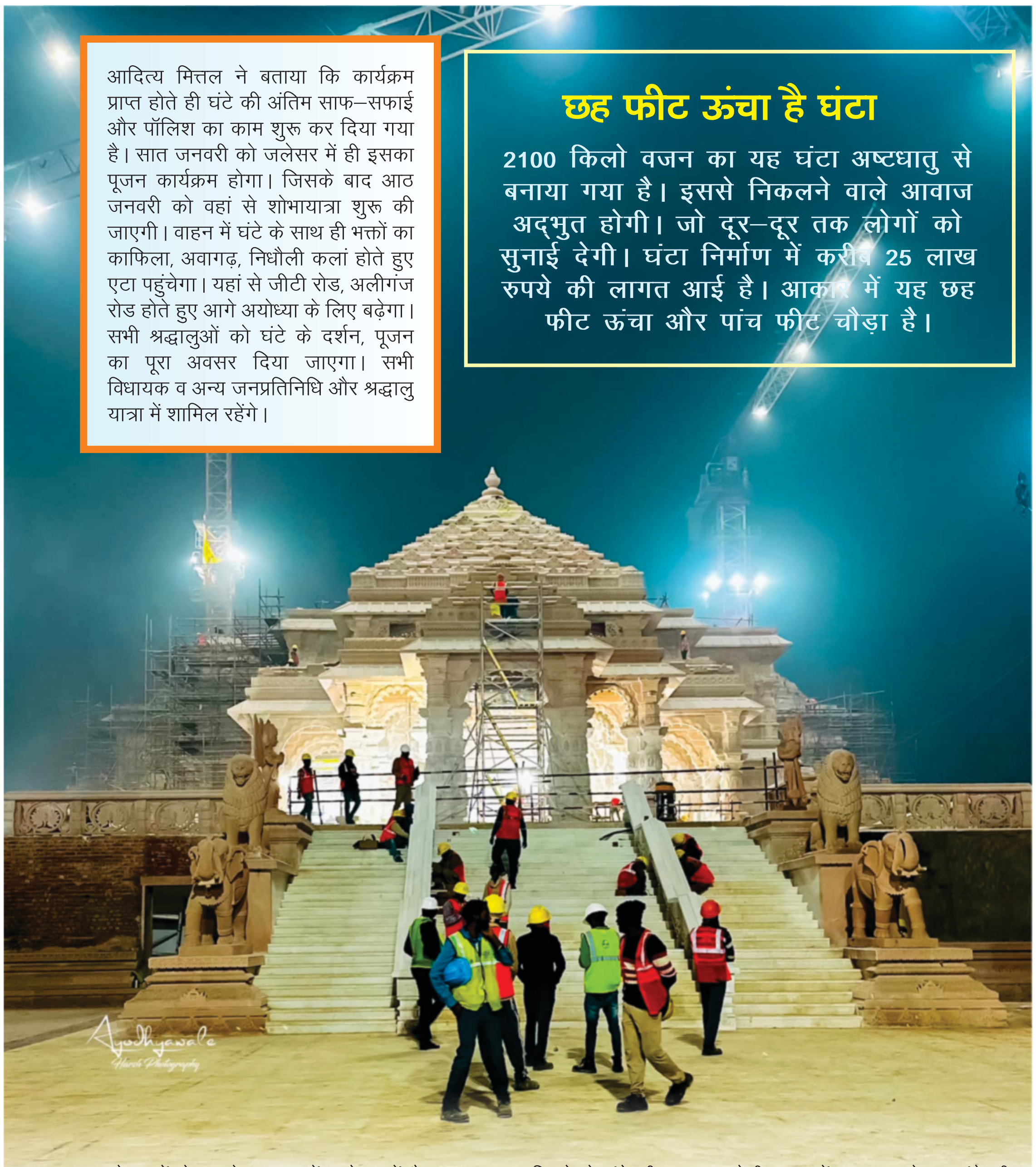

आदित्य मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम प्राप्त होते ही घंटे की अंतिम साफ–सफाई और पॉलिश का काम शुरू कर दिया गया है। सात जनवरी को जलेसर में ही इसका पूजन कार्यक्रम होगा। जिसके बाद आठ जनवरी को वहां से शोभायात्रा शुरू की जाएगी। वाहन में घंटे के साथ ही भक्तों का काफिला, अवागढ़, निधौली कलां होते हुए एटा पहुंचेगा। यहां से जीटी रोड, अलीगंज रोड होते हुए आगे अयोध्या के लिए बढ़ेगा। सभी श्रद्धालुओं को घंटे के दर्शन, पूजन का पूरा अवसर दिया जाएगा। सभी विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु यात्रा में शामिल रहेंगे।

छह फीट ऊंचा है घंटा

2100 किलो वजन का यह घंटा अष्टधातु से बनाया गया है। इससे निकलने वाले आवाज अद्भुत होगी। जो दूर–दूर तक लोगों को सुनाई देगी। घंटा निर्माण में करीब 25 लाख रुपये की लागत आई है। आकार में यह छह फीट ऊंचा और पांच फीट चौड़ा है।

आगरा। अयोध्या में के रामसेवकपुरम में जलेसर में तैयार हुए 2100 किलो के घंटे की स्थापना होगी। एटा में भ्रमण करते हुए घंटे की शोभायात्रा अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या के भव्य श्रीराम मंदिर में एटा की पहचान भी दिखेगी। यहां जलेसर में तैयार हुआ 2100 किलो अष्टधातु का घंटा अयोध्या धाम के रामसेवकपुरम में स्थापित किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अनुमति मिल गई है। पूरे परिसर में लगने वाला यह सबसे बड़ा घंटा होगा।

करीब चार साल से जलेसर में इस विशाल घंटे का निर्माण कराया जा रहा है। यह पिछले महीने बनकर तैयार भी हो गया था। इसको अयोध्या भेजने के लिए मुख्यमंत्री से अनुमति मांगी जा रही थी। क्षेत्रीय विधायक संजीव दिवाकर, घंटा तैयार कराने वाले पीतल कारोबारी आदित्य मित्तल लखनऊ जाकर उनसे मिले थे। हाल ही में 28 दिसंबर को मुलाकात हुई, तब 10 दिन का समय दिया गया था। जिसके मुताबिक कार्यक्रम तय कर शासन की ओर से विधायक और जिला प्रशासन को सूचना दे दी गई है। आठ जनवरी को यह घंटा अयोध्या पहुंचाया जाना है।

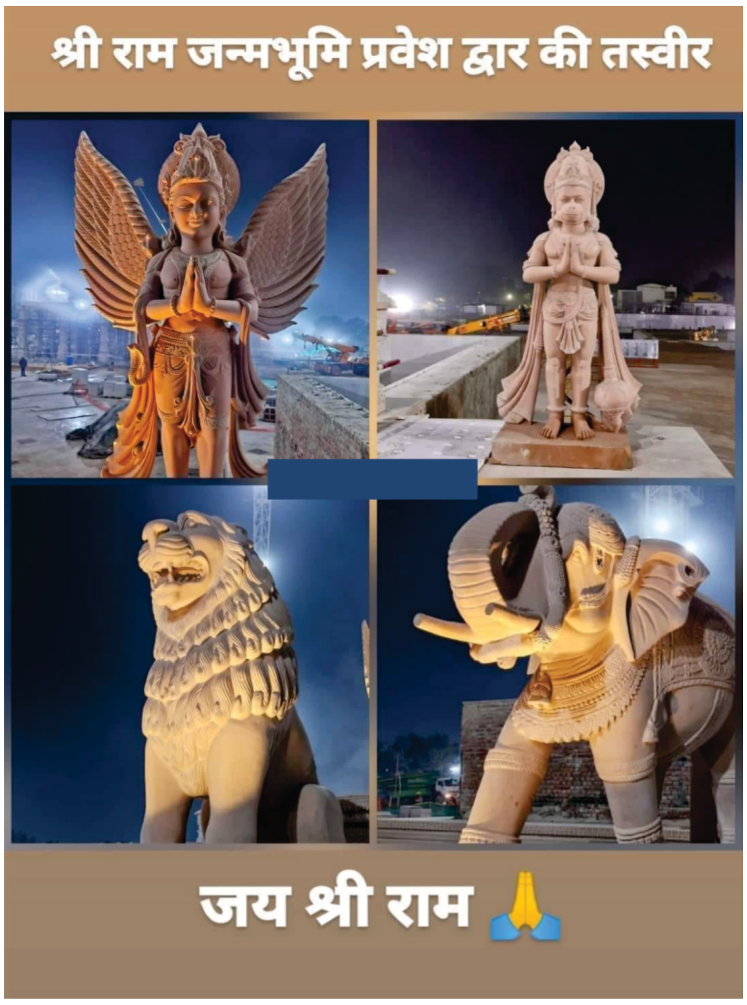

शीतलहर की चपेट में वाराणसी समेत भदोही–मिर्जापुर और आजमगढ़, पारा धड़ाम

भदोही। यूपी समेत पूरे पूर्वांचल में दो दिनों से बारिश का क्रम बना हुआ है। बुधवार के बाद गुरुवार की सुबह भी अचानक शुरू हुई बारिश एक घंटे तक रही। घने बादलों के बीच दस बजे तक सूर्य भगवान के दर्शन नहीं हुए। सुबह घना कोहरा छाया रहा। यूपी में कड़ाके की ठंड के बीच बारिश ने कंपकंपी बढ़ा दी है। गुरुवार की सुबह वाराणसी समेत भदोही, मिर्जापुर, आजमगढ़ और जौनपुर में एक बार फिर बारिश हुई। एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। वहीं कई ग्रामीण सड़कों पर जलजमाव हो गया। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

जिले में दो दिनों से बारिश का क्रम बना हुआ है। बुधवार के बाद गुरुवार की सुबह भी अचानक शुरू हुई बारिश एक घंटे तक रही। घने बादलों के बीच 10 बजे तक सूर्य भगवान के दर्शन नहीं हुए। सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरा छंटते ही तेज गरज–चमक के साथ बारिश हुई। बारिश के बीच ठंड का असर भी बढ़ गया। सर्द हवाओं के बीच लोगों की कंपकंपी बढ़ गई। इससे न्यूनतम तापमान में और भी गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार का न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री दर्ज किया गया।

वहीं अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा की रफ्तार भी 12 किमी प्रतिघंटा रही। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार एक दो दिन बारिश का क्रम बना रह सकता है। बारिश के कारण लोग अलाव से चिपके रहे। वहीं सुरियावां, दुर्गांज, अभोली, चौरी, ऊंज सहित अन्य इलाकों में जलजमाव की समस्या देखी गई। जहां लोग परेशानियों से दो–चार होते नजर आए।

मिर्जापुर में दूसरे दिन भी सुबह हुई बूंदाबादी

आसमान में छाए कोहरे के बीच दूसरे दिन भी हुई बूंदाबांदी के चलते शहर से लेकर गांव तक लोग शीतलहर की चपेट में हैं। सूर्य का दर्शन न होने से लोग आग जलाकर राहत पाने में जुटे हुए हैं। प्रशासन द्वारा अभी तक क्षेत्र मे अलाव की व्यवस्था नही की गई है। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।

जौनपुर में सुबह हुई बारिश से बढ़ी ठंड

जौनपुर जिले में तेज हवा के साथ ठंड ने मुश्किलें बढ़ा दी है। सुबह कुछ देर हुई बारिश से ठंड ने विकराल रूप ले लिया। घरों से निकलने वाले लोग गर्म कपड़े पहनकर निकल रहे है।

आजमगढ़ में ऐसा है हाल

इन दिनों मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। जिले में दो दिन घना कोहरा छाने के बाद बुधवार की सुबह गरज के साथ बारिश शुरू हो गई। हालांकि कोहरा छटने से न्यूनतम तापमान एक डिग्री बढ़कर 13 पर पहुंच गया लेकिन ठंड लोगों को सताती रही।

वहीं बारिश से गेहूं की फसल को फायदा होगा पर आलू की खेती खराब होने की संभावना है। कृषि विज्ञानी से बातचीत पर आधारित खबर होगी।

क्या ट्रेन है लेट या हो गई है रद्द ऐसे ले सकते हैं रेलवे से रिफंड

लखनऊ। रेलवे के नियमों के अनुसार, फुल रिफ़ंड का अनुरोध केवल तभी किया जा सकता है, जब ट्रेन तीन घंटे से अधिक लेट हो। अपने ट्रैवल प्लान में बदलाव करने या कैंसिल करने वाले यात्रियों के लिए कैंसिलेशन चार्ज भी है। कैंसिलेशन चार्ज टिकट के टाईप और कैंसिलेशन चार्ज शुरू होने के समय के आधार पर अलग–अलग होता है... कड़ाके सर्दी की चलते इस समय समूचा उत्तर भारत घने कोहरे की चपेट में है। कोहरे की चलते लोगों को सड़क पर गाड़ी चलाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं भारतीय रेलवे की रफ्तार भी धीमी हो गई है। अलग–अलग रूट्स पर ट्रेनें 12–12 घंटे की देरी से चल रही हैं।

वहीं, कुछ ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। भारतीय रेलवे के मुताबिक, 4 जनवरी को दिल्ली आने वाली करीब 26 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। इसी बीच यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या ट्रेनों के लेट होने या फिर रद्द होने पर क्या रेलवे रिफंड देता है या नहीं। अगर रिफंड मिलता है तो इसे कैसे लिया जा सकता है।

इस तरीके से लिया जा सकता है रिफंड

भारतीय रेलवे के मुताबिक, यदि कंफर्म आरएसी या वेटिंग लिस्ट टिकट रखने वाले यात्री की ट्रेन में तीन घंटे से अधिक की देरी होती है और वह यात्री ट्रेन में देरी के कारण ट्रैवल नहीं करने का फैसला करते हैं, तो वह फुल रिफंड पाने के लिए पात्र होते हैं।

यदि आपके पास ई–टिकट है, तो आपको पूरा रिफंड पाने के लिए ट्रेन रवाना होने से पहले एक ऑनलाइन टीडीआर भरना होगा। अगर किसी यात्री ने रिजर्वेशन काउंटर से टिकट खरीदा है, तो आपको पूरा रिफंड पाने के लिए अपना टिकट कैंसिल करना होगा। ई–टिकट के लिए रिफंड का पैसा आमतौर पर 3 से 7 वर्किंग–डे में मिल जाता है।

यह अमाउंट आपको टिकट बुकिंग के समय पेमेंट करने लिए उपयोग किए गए बैंक अकाउंट में भेज दिया जाता है। हालांकि, किसी कारणवश ट्रेन छूटने के बाद टिकट कैंसिल पर आप रिफंड के पात्र नहीं होते हैं।

रेलवे के नियमों के अनुसार, फुल रिफ़ंड का अनुरोध केवल तभी किया जा सकता है, जब ट्रेन तीन घंटे से अधिक लेट हो। अपने ट्रैवल प्लान में बदलाव करने या कैंसिल करने वाले यात्रियों के लिए कैंसिलेशन चार्ज भी है। कैंसिलेशन चार्ज टिकट के टाईप और कैंसिलेशन चार्ज शुरू होने के समय के आधार पर अलग–अलग होता है। रिफंड के लिए आईआरसीटीसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके या रिजर्वेशन काउंटर पर जाकर रिफंड हासिल करने के लिए रिक्वेस्ट कर सकते हैं।

इस तरह से ले सकते है रिफंड

रिफंड पाने के लिए यात्री को टिकट डिपॉजिट रसीद फाइल करना होगा। आप टीडीआर आईआरसीटीसी के वेबसाइट और एप के जरिए फाइल कर सकते हैं। अगर आप ऐसे यात्री हैं, जिन्होंने टिकट काउंटर से टिकट लिया है, तो आपको यात्रा शुरू करने वाले स्टेशन यानी अपने बोर्डिंग स्टेशन पर अपना टिकट सरेंडर करना होगा, जिसके बाद आपको रिफंड मिल जाएगा। वहीं ऑनलाइन तरीके से आप टीडीआर फाइल करके ई–टिकट पर रिफंड पा सकते हैं। हालांकि, आपको बता दें कि रिफंड आने में कम से कम तीन महीने यानी 90 दिनों का समय लगेगा।

ऐसे फाइल कर सकते है टीडीआर

सबसे पहले आप अपने यूजर आईडी और पासवर्ड से आईआरसीटीसी वेबसाइट पर लॉग इन कर लें।

इसके बाद आप उपर मौजूद "मतअपबमे' टैब में "थ्पसम ज्पबामज क्मचवेपज त्मबमपचज (ज्क्त)" पर क्लिक करें।

डल ज्तंदेंबजपवदे टैब के अंतर्गत बाएं पैनल में "थ्पसम ज्क्त" लिंक पर क्लिक करें। आपका टीडीआर दावा अनुरोध रिफंड की प्रक्रिया के लिए संबंधित रेलवे को भेजा जाएगा।

आपको बता दें कि रिफंड का पैसा उसी खाते में आएगा जिसके माध्यम से भुगतान किया गया था। कंफर्म तत्काल टिकट रद्द करने की स्थिति में कोई रिफंड नहीं दिया जाएगा

कैंसिल टिकट के नियम भी जानें

कन्फर्म टिकटों के लिए कैंसिलेशन चार्ज (48 घंटे से अधिक पहले)

फर्स्ट एसी /एग्जीक्यूटिव क्लासः प्रति व्यक्ति फ्लैट 240 रुपये कैंसिलेशन चार्ज

सेकंड एसी–टियर/फर्स्ट क्लासः 200 रुपये

थर्ड एसी –टियर/एसी चेयर कार/थर्ड एसी–इकोनॉमीः 180 रुपये

सेकंड क्लासः 60 रुपये

2. 48 घंटे से कम और डिपार्चर से 12 घंटे पहले तक कैंसिलेशनः

भुगतान किए गए कुल टिकट किराए का 25 फीसदी (न्यूनतम फ्लैट कैंसिलेशन चार्ज के अधीन)

3. 12 घंटे से कम समय और डिपार्चर से 4 घंटे पहले तक कैंसिलेशनः

टिकट खरीदते समय भुगतान किए गए कुल किराए का 50 फीसदी (प्रत्येक क्लास के लिए न्यूनतम फ्लैट कैंसिलेशन चार्ज के अधीन)

4. आरएसी/वेटिंग लिस्ट वाले टिकटों को कैंसिल करना (डिपार्चर से आधे घंटे पहले तक):

प्रति व्यक्ति क्लर्केज चार्ज काटने के बाद फुल रिफंड

शिव की नगरी भी जगमगाएगी 22 को

मुस्लिम महिलाएं अयोध्या से काशी लाएंगी रामज्योति, घरों में जलाएंगी।

राममंदिर से राम ज्योति को लाने का जिम्मा श्रीराम की भक्त डा. नाजनीन अंसारी व डश्र. नजमा परवीन उठाएंगी।

,वाराणसी। शिव की नगरी काशी 22 जनवरी को अयोध्या की रामज्योति से जगमगाएगी और यह ज्योति गंगा जमुनी तहजीब की नजीर भी बनेगी। रामज्योति की लौ सिर्फ हिंदू घरों में ही नहीं, बल्कि काशी के मुस्लिम घरों में भी रोशन होगी। राममंदिर से राम ज्योति को लाने का जिम्मा श्रीराम की भक्त डॉ. नाजनीन अंसारी व डॉ. नजमा परवीन उठाएंगी। रामज्योति के साथ मिट्टी और सरयू का पवित्र जल भी लाएंगी। मुस्लिम महिला मंच की नेशनल सदर डॉ. नाजनीन अंसारी व भारतीय आवाम पार्टी की नेशनल सदर डॉ. नजमा परवीन राम ज्योति के लिए शनिवार को अयोध्या रवाना हो रही हैं। अयोध्या में साकेत भूषण श्रीराम पीठ के पीठाधीश्वर महंत शंभू देवाचार्य डॉ. नाजनीन अंसारी को राम ज्योति देंगे। रविवार को राम ज्योति लेकर वह काशी आएंगी। काशी लौटते समय जौनपुर में डॉ. नौशाद अहमद समेत कई मुस्लिम परिवार इन मुस्लिम महिलाओं का स्वागत करेंगे। काशी में 150 मुस्लिम इसी रामज्योति से दीप जलाएंगी।

2006 से भक्ति में लीन

काशी की तहजीब की मिसाल नाजनीन और नजमा ने 2006 में संकट मोचन मंदिर में बम विस्फोट के बाद काशी में शांति स्थापित करने का जिम्मा उठाते हुए 70 मुस्लिम महिलाओं के साथ संकट मोचन मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया था। उन्होंने अयोध्या में राममंदिर बनने की हमेशा से वकालत की। डॉ. नाजनीन ने 2016 में अयोध्या जाकर राम मंदिर के पक्षकार रहे हाशिम अंसारी से मिलकर अपनी ये ख्वाहिश भी रखी थी। हालांकि इन सबमें दोनों को ही बराबर आतंकी संगठनों की धमकियां मिलती रहीं, लेकिन वो अपनी रामभक्ति से कभी नहीं डिगीं।

तीनों लोकों की मंगल कामना से रामलला को जगाएंगे

अयोध्या। काशी के कर्मकांडी ब्राह्मण आवाहन करेंगे...प्रभु उठिये और त्रैलोक्य का मंगल कीजिए। इसके साथ ही विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा के अंतिम दिन के विधान आरंभ होंगे। रामलला के विराजमान होने के साथ ही भारत के भाग्य का भी उदय होगा। प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन 22 जनवरी को शय्याधिवास के बाद रामलला को त्रैलोक्य यानी तीनों लोकों की मंगल कामना से जगाया जाएगा। काशी के कर्मकांडी ब्राह्मण आवाहन करेंगे...प्रभु उठिये और त्रैलोक्य का मंगल कीजिए। इसके साथ ही विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा के अंतिम दिन के विधान आरंभ होंगे। रामलला के विराजमान होने के साथ ही भारत के भाग्य का भी उदय होगा।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा सर्वाधिक शुभ मुहूर्त में होगी। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि यह शुभ संयोग भारत के लिए भी हितकारी होगा। काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी का कहना है कि धर्म के विग्रह श्रीराम ही टेंट में थे, इसलिए भारत का भाग्य प्रकाशित नहीं हो रहा था। प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही भारत की कीर्ति, यश, वैभव सर्वोच्च शिखर पर होगा। प्रभु श्रीराम जब राजा के रूप में अयोध्या में स्वयं विराजमान होंगे, तो धर्म की ध्वजा विश्व में फहराएगी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अभिजीत मुहूर्त देने वाले पं.गणेश्वर शास्त्री द्राविड़ का मानना है कि इससे रामजी की राज्यवृद्धि होगी अर्थात नीति के अनुसार शासन कार्य चलेगा।

पंच संकल्प

काशी विद्वत परिषद ने श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को पंच संकल्प करने की सलाह दी है। इसमें राष्ट्ररक्षा, मानव कल्याण, विश्वशांति, सनातन धर्म की ध्वजा शिखर पर फहराने और भारत को विश्वगुरु बनने का संकल्प लिया जाएगा।

17 से शुरू होंगे अनुष्ठान

कर्मकांडी पंडित लक्ष्मीकांत द्विवेदी के अनुसार, समारोह के अनुष्ठान प्रायश्चित संस्कार के बाद शुरू होंगे। 17 को नगर भ्रमण, 18 को सभी देवताओं का स्थापन, विद्वानों का वरण, कुटीर कर्म के बाद भगवान का जलाधिवास होगा। 19 को अरणी मंथन से यज्ञ की अग्नि प्रज्वलित होगी। इसके बाद नवग्रह होम होगा। राममंदिर की वास्तु शांति होगी। 81 कलशों के जल से शुद्धिकरण होगा। 20 को घृताधिवास, 21 को सहस्त्रछिद्र कलश से स्नान के बाद श्रीराम की दिव्य दृष्टि खोली जाएगी व नेत्रोमिलन संस्कार होगा। शोभायात्रा के बाद शय्याधिवास कराया जाएगा। 22 को 84 सेकंड के शुभ मुहूर्त में भगवान गर्भगृह में विराजमान होंगे।

चंपत राय बोले– अचल मूत 22 को ही होगी सार्वजनिक

भक्तों को रामलला की अचल मूर्ति का दर्शन 23 जनवरी से ही प्राप्त होगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने साफ कहा है कि प्राण प्रतिष्ठित होने वाली अचल मूर्ति 22 जनवरी को ही सार्वजनिक की जाएगी। जिस विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होनी है उसका चयन कर लिया गया है।

नगर भ्रमण में अचल मूर्ति का दर्शन होगा या नहीं, चंपत राय ने कहा, जनता–जनार्दन को 23 जनवरी से रामलला के दर्शन प्राप्त होंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी अंतिम चरण में है। मंदिर के दरवाजों पर सोने की परत चढ़ाने का काम पूरा हो चुका है। भगवान के कपड़े तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रामजन्मभूमि परिसर के 70 फीसदी भाग में हरियाली होगी।

उत्तर भारत में हाड़ कंपाने वाली ठंड

तापमान गिरने से बढ़ी कंपकपी अगले हफ्ते राहत की उम्मीद

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा कि दिन में लगातार बादल छाए रहने और सूरज के नहीं दिखाई देने के कारण पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2–6 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया है। उत्तर–पश्चिम दिशाओं से चल रही बर्फीली हवाओं के चलते उत्तर भारत में हाड़ कंपाने वाली ठंड शुरू हो गई है। गुरुवार को कोल्ड डे की गंभीर स्थिति ने लोगों को दिनभर ठिठुराया और अधिकतम तापमान 12–18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा, जो मौसम के हिसाब से सामान्य से कई डिग्री कम है। मौसम विभाग ने कहा कि दिन में लगातार बादल छाए रहने और सूरज के नहीं दिखाई देने के कारण पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से 2–6 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, अगर अधिकतम तापमान मौसम के हिसाब से सामान्य से 4.5–6.4 डिग्री नीचे गिरता है तो ठंडा दिन घोषित किया जाता है। यदि तापमान सामान्य से 6.5 डिग्री कम हो तो गंभीर ठंडा दिन घोषित किया जाता है। दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में गुरुवार को अधिकतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 6.8 डिग्री नीचे है। हरियाणा के हिसार में अधिकतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य से 6.8 डिग्री कम है। पंजाब के पटियाला में तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 8.1 डिग्री कम है। मध्य प्रदेश के भोपाल में अधिकतम तापमान 16.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 7.3 डिग्री कम है।

अगले सप्ताह राहत मिलने की उम्मीद

मौसम विभाग ने बताया कि गर्म और नम दक्षिण–पश्चिमी हवाओं से रविवार के बाद न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 2–4 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, दक्षिणी हरियाणा और दक्षिणी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले सप्ताह की शुरुआत में हल्की से बहुत हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे की भी भविष्यवाणी की है।

घने कोहरे से ट्रेन–विमान संचालन प्रभावित

घने कोहरे के चलते कम दृश्यता होने के कारण गुरुवार को दिल्ली आने वाली कम से कम 26 ट्रेनें देरी से चल रही थीं। इसके अलावा विमानों का संचालन भी प्रभावित हुआ। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को जम्मू शहर में अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा क्योंकि खराब मौसम की वजह से उनका विमान जम्मू हवाई अड्डे पर नहीं उतर सका और विमान को पठानकोट की ओर मोड़ दिया गया।

आठ जनवरी को बारिश की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक, आठ और नौ जनवरी को हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। मौसमी दशाओं में बदलाव के कारण बारिश से तापमान में बढ़त हो सकती है। संभावना है कि 10 जनवरी तक दिल्ली के अधिकतम तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक की बढ़त हो सकती है और पारा 17 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। विभाग का मानना है कि बारिश के कारण मौसम में बदलाव हो सकता है। इससे आसमान साफ होगा, जिससे स्थिति में सुधार हो सकता है।

विनोद ने राजनीति में भी आजमाई थी किस्मत

गोरखपुर। गोरखपुर और बस्ती मंडल में आतंक का पर्याय बने माफिया विनोद उपाध्याय को शुक्रवार तड़के एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। विनोद ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। वह बसपा में गया तो दो बार टिकट बदलने के बाद चुनाव लड़ा। माफिया विनोद ने विधायक के जरिए बसपा में पैठ बनाई थी। छात्रसंघ चुनाव में दखल के साथ ही विनोद ने विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी भी शुरू कर दी थी। इसके लिए वह एक उभरते नेता के संपर्क में आया, जो बसपा से सहजनवां विधानसभा क्षेत्र से विधायक भी हुए थे। उनके जरिए ही उसकी मुलाकात बसपा के बड़े नेताओं से हुई थी।शहर विधानसभा क्षेत्र से 2007 में दो बार टिकट बदलने के बाद वह चुनाव लड़ा, लेकिन हार गया। दरअसल, बसपा की ओर से जब उसे टिकट मिला, तभी वह जेल भेज दिया गया। नामांकन के समय जेल से जमानत में दुविधा होने पर उसने भाई जयप्रकाश उपाध्याय को टिकट दिलवा दिया, लेकिन नामांकन के समय ही उसे जमानत मिल गई।

फिर उसने भाई का नाम बदलवाकर खुद टिकट लिया और चुनाव मैदान में उतरा। तब मायावती सहित कई बड़े नेताओं ने उसके लिए सभा भी की थी। वह चुनाव हार गया और चौथे नंबर पर रहा। इसके कुछ दिनों बाद शाहपुर थाने के कौवाबाग पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों से विनोद के भाइयों का विवाद हो गया। इस मामले में विनोद ने न सिर्फ पुलिसवालों से मारपीट की, बल्कि थाने पहुंचकर उनसे निपट लेने की धमकी भी दी। इस मामले में विनोद और उसके भाइयों पर केस भी दर्ज हुआ। मामला राजनीतिक रंग लेने लगा तो विनोद को बसपा से बर्खास्त कर दिया गया। इसके बाद दोबारा विनोद कभी राजनीति में इंट्री नहीं ले सका।

नए लड़कों के समर्थन से बना ली गैंग

यूनिवर्सिटी से करीब 10 साल जुड़े रहने के कारण विनोद ने छात्रों की एक बड़ी गैंग बना ली। विनोद के गिरोह में नए लड़के आते और जाते थे। बताया जाता है कि वह नए लड़कों को गिरोह में लाता था, लेकिन उसकी रुपयों से मदद नहीं करता था, इस वजह से बहुत दिन तक उसके गिरोह में कोई नहीं रहता था।

माफिया विनोद उपाध्याय को एसटीएफ ने किया ढेर

आपको बता दें कि गोरखपुर व बस्ती मंडल में आतंक का पर्याय बने माफिया विनोद उपाध्याय को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। सुल्तानपुर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज में बाईपास के पास शुक्रवार तड़के साढ़े तीन बजे एसटीएफ से बचने के लिए उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। विनोद प्रदेश के टॉप–61 माफिया की सूची में शामिल था, उसके पास से कारबाइन, पिस्टल, कारतूस व कार बरामद हुई है। मूलरूप से अयोध्या के महाराजगंज थाना क्षेत्र के उपाध्याय का पुरवा निवासी विनोद गोरखपुर के रेल विहार कॉलोनी, शाहपुर और धर्मशाला बाजार क्षेत्र में रहता था। उसके खिलाफ गोरखपुर, बस्ती और लखनऊ में चार हत्याओं, हत्या के प्रयास व रंगदारी सहित 45 केस दर्ज हैं। वह 2007 में बसपा के टिकट पर गोरखपुर शहर क्षेत्र से विधानसभा चुनाव भी लड़ चुका था जिसमें उसे करारी हार मिली थी।शासन स्तर से जारी टॉप–61 माफिया की सूची में शामिल ज्यादातर बदमाश सरेंडर कर चुके हैं, वहीं विनोद उपाध्याय को पुलिस तलाश रही थी। बृहस्पतिवार को लखनऊ एसटीएफ पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में सुल्तानपुर पहुंची। सूचना मिली थी कि विनोद कोतवाली देहात क्षेत्र में किसी से मिलने आ रहा है। एसटीएफ ने कोतवाली देहात थाने की मदद से हनुमानगंज बाईपास के पास घेराबंदी की।शुक्रवार तड़के लखनऊ की ओर से आती कार में सवार विनोद को एसटीएफ ने रोकने का प्रयास किया तो वह बाईपास की तरफ भागने लगा। करीब तीन किमी. आगे जाकर सर्विस लेन के पत्थर से टकराकर उसकी कार रुक गई। विनोद ने मिट्टी के टीले का सहारा लेकर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में उसे तीन गोलियां लगीं। एसटीएफ ने कोतवाली देहात थाने में विनोद के खिलाफ जानलेवा हमले और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कराया।

जेल में थप्पड़ खाने के बाद बना माफिया

विनोद उपाध्याय पहले गोरखपुर में ऑटो चलवाता था। उसने पिता के सूदखोरी के धंधे में भी हाथ आजमाया।

ऑटो स्टैंड के विवाद में पहली बार 1999 में जेल गया। वहां से निकला तो ठेकेदारी में पांव जमाने की कोशिश करने लगा। 2004 में विनोद फिर एक मामले में जेल गया तो वहां नेपाल के बदमाश जीत नारायण मिश्र ने खाने के विवाद में उसे थप्पड़ मार दिया।

दिव्या के कितने कातिल!: पहले होटल में हत्या

फिर कार में पहुंची लाश, आखिर अभिजीत के अलावा और किसके थे हाथ

दिल्ली–एनसीआर। आरोपी अभिजीत ने बताया कि दिव्या पाहुजा की गोली मारकर हत्या करने के बाद उसने होटल में साफ–सफाई व रिसेप्शन का काम करने वाले हेमराज व ओम प्रकाश के साथ मिलकर उसके शव को अपनी बीएमडब्ल्यू कार में रखवाया। गैंगस्टर संदीप गाडौली की गर्लफ्रेंड मॉडल दिव्या पाहुजा (27) की हत्या अब तक एक राज बनी हुई है, क्योंकि पुलिस को न तो अब तक उसका शव मिला है और न ही हत्या के पीछे की असल कहानी सबके सामने रख पाई है। हालांकि दिव्या की हत्या में पुलिस ने अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें एक वो है जिसके होटल में दिव्या की हत्या हुई जिसकी पहचान अभिजीत के तौर पर हुई है और उसके दो साथी एक नेपाल का रहने वाला हेमराज और दूसरा जलपाईगुडी पश्चिम–बंगाल का ओमप्रकाश है। जानकारी सामने आई है कि ये हेमराज और ओमप्रकाश होटल में साफ–सफाई व रिसेप्शन का काम देखते थे और इन्ही की मदद से अभिजीत ने दिव्या की लाश को बीएमडब्ल्यू कार में रखी थी।

ब्लैकमेलिंग का एंगल आया है सामने

पुलिस के अनुसार अभिजीत सिंह की कुछ अश्लील फोटो दिव्या पाहुजा के पास थीं, जिन्हें लेकर वह अभिजीत को ब्लैकमेल करती थी। इस कारण अभिजीत ने उसकी हत्या की साजिश रची और होटल में ले जाकर उसे गोली मार दी। इसके बाद उसकी लाश का

कार में डालकर ठिकाने लगा दी। हालांकि अब खबर आ रही है कि जिस कार में दिव्या का शव डाला गया था वो पंजाब के पटियाला में लावरिश हाल में मिली है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है।

अश्लील फोटो दिखाकर पैसे मांगती थी

आरोपी अभिजीत ने पूछताछ में बतलाया कि होटल सिटी प्वाइंट उसी का है, जिसे आरोपी ने लीज पर दे रखा है। दिव्या पाहुजा के पास आरोपी अभिजीत सिंह की कुछ अश्लील तस्वीरें थीं, जिन तस्वीरों के कारण दिव्या पाहुजा आरोपी अभिजीत को ब्लैकमेल करती थी। अभिजीत सिंह से खर्चे के लिए रुपये अक्सर लेती रहती थी ओर अब मोटी रकम ऐठना चाहती थी। दो जनवरी को होटल सिटी प्वाइंट में आरोपी अभिजीत सिंह, दिव्या पाहुजा के साथ पहुंचा और उसके फोन से अश्लील फोटो डिलीट करने चाहे, लेकिन दिव्या ने फोन का पासवर्ड नहीं बताया। इसी से नाराज होकर उसने दिव्या को गोली मार दी।

होटल स्टाफ के साथ कार में रखा शव

आरोपी अभिजीत ने बताया कि दिव्या पाहुजा की गोली मारकर हत्या करने के बाद उसने होटल में साफ–सफाई व रिसेप्शन का काम करने वाले हेमराज व ओम प्रकाश के साथ मिलकर उसके शव को अपनी बीएमडब्ल्यू कार में रखवाया। इस काम को करने के लिए आरोपी ने दोनों कर्मचारियों को लाखों रुपये देने का लालच दिया था। इसके बाद आरोपी अभिजीत ने अपने दो अन्य साथियों को बुलाया और शव को ठिकाने लगाने के लिए अपनी कार उनको दे दी। पुलिस अब आरोपी के उन दो साथियों की तलाश कर रही है, जोकि कार में शव रखकर उसे ठिकाने लगाने के लिए लेकर गए थे।

संदीप गाडौली की प्रेमिका थी दिव्या

बलदेव नगर की रहने वाली दिव्या पाहुजा छोटे मोटे मॉडलिंग के काम भी करती थी। गुरुग्राम के गांव गाड़ौली निवासी गैंगस्टर संदीप गाड़ौली की वह कथित गर्लफ्रेंड थी। संदीप गाड़ौली का गुरुग्राम पुलिस ने वर्ष 2016 में मुंबई में एनकाउंटर किया था। हालांकि इस एनकाउंटर को फर्जी बताते हुए दिव्या पाहुजा और संदीप गाड़ौली की मां ने गुरुग्राम पुलिस के पांच कर्मचारियों के खिलाफ संदीप की हत्या का केस दर्ज कराया था।

गैंगस्टर से प्रेम कहानी...

फिर जेल में रही सात साल दिव्या पाहुजा हत्याकांड की फुल स्टोरी

दिल्ली–एनसीआर। गैंगस्टर संदीप गाडौली एनकाउंटर केस में मॉडल दिव्या मुख्य गवाही थी। 2016 में मुंबई में कथित पुलिस मुठभेड़ में संदीप मारा गया था। दिव्या सात साल जेल में रहने के बाद जुलाई 2023 में मुंबई हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर बाहर आई थी। अब उसकी हत्या हुई है। गुरुग्राम में गैंगस्टर संदीप गाडौली की गर्लफ्रेंड की गुरुग्राम के सिटी होटल में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के बाद शव को बीएमडब्ल्यूए गाड़ी में डालकर ले गए और ठिकाने लगा दिया। होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में शव बाहर ले जाने की वारदात कैद हो गई।

पुलिस ने मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथी होटल मालिक समेत तीन को आरोपियों गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस दो फरार आरोपियों की भी तलाश कर रही है। वहीं, पुलिस युवती के शव को बरामद करने का प्रयास कर रही है। लेकिन अभी तक पुलिस को कामयाबी नहीं मिली है।

मॉडल दिव्या गैंगस्टर संदीप गाडौली की गर्लफ्रेंड हुआ करती थी। ये वही संदीप है जिसका साल 2016 में मुंबई के अंधेरी में एक होटल में एनकाउंटर हो हुआ था। जिस समय संदीप का एनकाउंटर हुआ, तब भी दिव्या भी संदीप गाडौली के साथ उसी होटल में मौजूद थी। हरियाणा पुलिस ने संदीप का एनकाउंटर किया था, लेकिन एनकाउंटर के बाद मुंबई पुलिस ने जांच की। इस केस में पुलिस ने दिव्या को गवाह भी बनाया, इस पर मॉडल दिव्या पर संदीप गाडौली के खिलाफ हरियाणा पुलिस से मुखबिरी करने के आरोप भी लगे थे।

गैंगस्टर संदीप गाडौली एनकाउंटर केस में मुख्य गवाह थी दिव्या

पुलिस के अनुसार, मॉडल दिव्या गैंगस्टर संदीप गाडौली एनकाउंटर केस में मुख्य गवाही थी। संदीप 2016 में मुंबई में कथित पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। दिव्या सात साल जेल में रहने के बाद जुलाई 2023 में मुंबई हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर बाहर आई थी। संदीप गाडौली की हत्या के मामले में मुंबई पुलिस ने पाहुजा, उसकी मां और गुरुग्राम पुलिस के पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की थी।

गुरुग्राम पुलिस के मुताबिक, दिव्या के परिवार ने दो जनवरी को दिव्या की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उन्होंने बताया था कि वो अपने मौजूदा ब्वॉयफ्रेंड और होटल मालिक अभिजीत के साथ नए साल वाले दिन घूमने के लिए निकली थी। एक और दो जनवरी के बीच दिव्या की परिवार से एक या दो बार बात हुई।

दो जनवरी की रात में उसका फोन नोट रिचेबल हो गया। इस पर परिजनों ने अभिजीत को फोन कर दिव्या के बारे में जानकारी ली। अभिजीत ने दिव्या को लेकर साफ–साफ कोई जानकारी नहीं दी। इस पर परिवार होटल पहुंचा। यहां परिवार ने होटल कर्मियों से फुटेज दिखाने के लिए कहा, उन्होंने फुटेज नहीं दिखाए। इसके बाद परिजन पुलिस थाने पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस जानकारी मिलते ही होटल पहुंची और सीसीटीवी फुटेज देखने शुरू किए। इस दौरान पुलिस को 2 जनवरी की रात 10 बज कर 44 मिनट पर रात के अंधेरे में अभिजीत और एक अन्य व्यक्ति कमरे में से एक कंबल में कुछ लपेटकर ले जाते दिख रहे हैं।

सीसीटीवी से खुला राज

ऐसे में माना जा रहा है कि इसमें दिव्या का शव था, जिसे ठिकाने लगाने के लिए आरोपी एक बीएमडब्ल्यू गाड़ी में ले गए। हालांकि पुलिस को शव बरामद नहीं हुआ है। मौके से हाथ लगी सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से मामले का खुलासा हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी को आधार मानते हुए दिव्या की बहन की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। पुलिस को इससे पहले का भी एक फुटेज हाथ लगा, जिसमें दो जनवरी की सुबह करीब सवा चार बजे होटल संचालक अभिजीत, युवती और एक अन्य होटल के रिसेप्शन पर पहुंचे, जहां से कमरा नंबर 111 में गए थे।

पुलिस ने मॉडल दिव्या पाहुजा की हत्या के आरोपी अभिजीत सिंह समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिव्या की हत्या के आरोप में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मॉडल टाउन निवासी अभिजीत सिंह, नेपाल निवासी हेमराज और ओमप्रकाश निवासी जलपाईगुडी पश्चिम–बंगाल के रूप में हुई है। ओम प्रकाश और हेमराज ने दिव्या की लाश को ठिकाने लगाने में अभिजीत की मदद की थी। इसके बदले में अभिजीत ने साथियों को 10 लाख रुपये दिए थे। कातिल अभिजीत के दोनों साथी दिव्या की लाश अभिजीत की नीले रंग की ठडॅ कार संख्या क्क03ज्ञ240 की डिग्गी में डालकर ले गए थे।

अश्लील फोटो दिखाकर मांगती थी पैसे

पुलिस के अनुसार, अभिजीत सिंह की कुछ अश्लील फोटो दिव्या पाहुजा के पास थीं, जिन्हें लेकर वह अभिजीत को ब्लैकमेल करती थी। अभिजीत सिंह से खर्चे के लिए रुपये अक्सर लेती रहती थी और अब मोटी रकम ऐठना चाहती थी।

दो जनवरी को होटल सिटी प्वाइंट में आरोपी अभिजीत सिंह, दिव्या पाहुजा के साथ पहुंचा और उसके फोन से अश्लील फोटो डिलीट करने चाहे, लेकिन दिव्या ने फोन का पासवर्ड नहीं बताया। इसी से नाराज होकर उसने दिव्या को गोली मार दी।

लक्षद्वीप की प्राकृतिक सुंदरता के बीच पहुंचे पीएम मोदी

नई दिल्ली। लक्षद्वीप दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रकृति के साथ भी वक्त बिताया। उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, यह जगह शांति, खूबसूरती और रोमांच के लिए शानदार है। अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि अब भी वहां के मनमोहक सौंदर्य और लोगों के अविश्वसनीय आतिथ्य से अभिभूत महसूस कर रहा हूं। प्राकृतिक सौंदर्य के अलावा, लक्षद्वीप की शांति मंत्रमुग्ध कर देने वाली है।

इसके साथ ही स्नॉर्कलिंग (एक तरह की गोताखोरी) की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि जो लोग साहसी और रोमांचक अनुभव चाहते हैं उनके लिए लक्षद्वीप उनकी यात्रा सूची में जरूर होना चाहिए। यह बेहद रोमांचक अनुभव था। उन्होंने बताया कि सफेद रेत के समुद्र तटों पर सुबह की सैर की और शुद्ध हवा में प्रकृति का आनंद लिया और एकांत का अनुभव अद्वितीय था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि लक्षद्वीप की प्राकृतिक सुंदरता ने उनके अंदर ऊर्जा भर दी है। अब वह 140 करोड़ भारतवासियों के कल्याण के लिए और भी अधिक मेहनत करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिन तस्वीरों को शेयर किया है उनमें वह एक तस्वीर में समुद्र किनारे कुर्सी पर बैठे हुए हैं। वहीं, एक तस्वीर में खड़े हैं, जिसमें दूर तक समुद्र और आसमान क्षितिज पर मिलते हुए दिखते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि लक्षद्वीप सिर्फ द्वीपों का एक समूह नहीं है। यह परंपराओं की एक कालातीत विरासत है। अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत भी की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई।

वे बहुत प्यारे हैं

खुशी कपूर का नाम वेदांग रैना के साथ जोड़ना चाहती हैं जान्हवी कपूर, बोली-

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण 8' के नए एपिसोड में अभिनेत्री खुशी कपूर और जान्हवी कपूर शामिल हुईं। पहली बार दोनों बहनें एक साथ करण के शो में दिखीं। इस दौरान जान्हवी ने अपनी बहन खुशी को इंडस्ट्री में किसी के साथ उनका नाम जोड़ने करने की बात कही। जान्हवी ने कहा कि वे खुशी के लिए वेदांग रैना को चुनेंगी। रैपिड–फायर राउंड के दौरान करण ने जान्हवी से पूछा कि अगर आप खुशी को इंडस्ट्री से किसी के साथ सेट कर सकती हैं तो वह कौन होगा? इस पर जान्हवी ने जवाब दिया कि वेदांग प्यारे हैं। वे सुंदर हैं। वे प्यारे लगते हैं। उनके पास एक अच्छी वाइब है। इतने में खुशी मुस्कुराईं और उन्होंने जान्हवी की बातों पर सिर हिलाया। इससे पहले एपिसोड के दौरान करण ने खुशी से पूछा था कि क्या उन अफवाहों में कोई सच्चाई है कि वह वेदांग रैना को डेट कर रही हैं। उन्होंने कहा था कि यह झूठ है। यह सच नहीं है। उन्होंने वेदांग को अपना दोस्त बताया था। वहीं, एपिसोड के रिलीज होने से एक दिन पहले वेदांग को खुशी, जान्हवी, बोनी कपूर और शिखर पहाड़िया के साथ नए साल का जश्न मनाने के बाद मुंबई लौटते हुए देखा गया। हालांकि, वेदांग ने भी पहले डेटिंग की अफवाहों का खंडन किया था। अभिनेता वेदांग ने साक्षात्कार में अफवाहों के बारे में बात की थी और कहा था कि वे और खुशी सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कहा था कि खुशी और मैं कई स्तरों पर जुड़े हुए हैं। संगीत में हमारी रुचि एक जैसी थी। खुशी और मैं डेटिंग नहीं कर रहे हैं। मेरा उसके साथ बहुत मजबूत रिश्ता है। हम एक–दूसरे को बहुत लंबे समय से जानते हैं और हम अच्छे दोस्त हैं।'द आर्चीज' की रिलीज के बाद ये अटकलें लगाई गईं कि खुशी कपूर अपने सह–कलाकार वेदांग रैना को डेट कर रही हैं, जिन्होंने फिल्म में रेगी का किरदार निभाया था। दोनों को अक्सर शहर में एक साथ देखा गया, जिसके बाद डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगीं। वेदांग अभिनेत्री जान्हवी, उनके कथित प्रेमी शिखर पहाड़िया और ओरी के साथ खुशी के जन्मदिन के लंच में भी शामिल हुए थे। वे खुशी कपूर के क्रिसमस सेलिब्रेशन में उनके करीबी दोस्तों के साथ भी मौजूद थे।

प्रीति जिंटा ने मनाया कलरफुल नव वर्ष

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने बुधवार को नए साल के जश्न की फोटो शेयर की और बताया कि वह साल 2024 की शुरुआत कलरफुल तरीके से कर रही हैं। 'वीर जारा' एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कलरफुल कैप और ऑरेंज कलर की टी शर्ट पहने एक सेल्फी पोस्ट की। ब्लैक सनग्लासेस के साथ एक्ट्रेस अपनी डिंपल वाली स्माइल फ्लॉन्ट कर रही हैं। उन्होंने पोस्ट को कैप्शन दिया: 2024 की शुरुआत कलरफुल तरीके के साथ।

भोजपुरी गाना 'लइकन के कमी नइखे' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायिका खुशबू तिवारी केटी और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का भोजपुरी गाना'लइकन के कमी नइखे'रिलीज हो गया है। गाना वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसिल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। गाने के निर्माता रत्नाकर कुमार है। खुशबू तिवारी केटी ने इस गाने को गाया है,वहीं माही श्रीवास्तव ने इस गाने में अभिनय किया है। गीतकार एवं संगीतकार यादव राज हैं। वीडियो निर्देशक विझेल, कोरियोग्राफर गोल्डी जयसवाल, डीओपी राजन वर्मा है।

एक्टर्स को डेट करना 'टेंशन वाला काम है' जान्हवी कपूर

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने एक्टर्स को डेट करने के सवाल पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा है कि एक्टर कंपीटिटिव और वीयर्ड होते हैं। बॉलीवुड सिस्टर्स जान्हवी और खुशी कपूर स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफ़ी विद करण' के अपकमिंग एपिसोड में नजर आएंगी। दोनों अपने करियर, फैमिली और लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में हैं। करण ने कहा, आपकी एक फिलॉसफी भी है जिसके बारे में हमने बात की है कि आप एक्टर्स को डेट नहीं करना चाहतीं, क्योंकि आपको लगता है कि यह कहीं न कहीं टेंशन देगा। जवाब देते हुए जान्हवी ने कहा, एक्टर्स को डेट करना सच में मुश्किल काम है। एक्ट्रेस ने कहा, आपको किसी ऐसे व्यक्ति के साथ रहने की जरूरत है जो आपको भी खुद के साथ टाइम बिताने के लिए वक्त दे। करण ने पूछा: आप कभी किसी एक्टर को डेट नहीं करेंगी, क्योंकि आप अभी जहां हैं, वहां आप कंफर्टेबल हैं?एक्ट्रेस ने जवाब दिया, मैं आपको बता रही हूं कि जब कोई एक्टर होता है तो हमेशा टेंशन बनी रहती है। मैं उस टेंशन से निपट नहीं सकती, क्योंकि मुझे खुलकर रहना पसंद है।

बॉबी देओल संग नजर आए आर्यमन देओल

मुंबई (आईएएनएस)। हाल ही में रिलीज हुई एक्शन थ्रिलर 'एनिमल' की सफलता का आनंद ले रहे एक्टर बॉवी देओल ने बुधवार को अपने बेटे आर्यमन के साथ कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में बॉवी को ब्लू सूट के साथ वाइट शर्ट में फॉर्मल लुक में देखा जा सकता है। वहीं उनके बेटे ब्लैक फॉर्मल कोट और वाइट शर्ट में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। दोनों सीधे कैमरे की ओर देख रहे हैं। इस पोस्ट पर एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने रेड हार्ट और फायर वाले इमोजी कमेंट सेक्शन में शेयर किया। 'एनिमल' 'कबीर सिंह' फेम संदीप रेड्डी वांगा द्वारा सह-लिखित, संपादित और निर्देशित है।

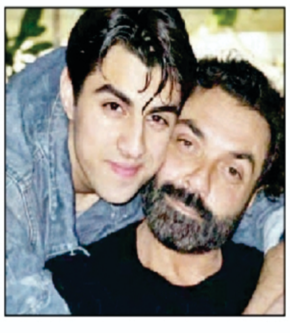

मां के किरदार से दिलों पर छाईं

हिंदी सिनेमा की मशहूर अदाकारा निरूपा रॉय भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन जब भी मां के किरदार का जिक्र किया जाता है, तो उन्हें जरूर याद किया जाता है। अपनी दमदार अदाकारी के जरिए लोगों के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री निरूपा रॉय का आज जन्मदिन हैं। बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली निरूपा की शादी 15 साल की उम्र में ही हो गई थी। उन्होंने इंडस्ट्री में 'देवी' और 'मां' के किरदार से एक अमिट छाप छोड़ी है। तो आइए जानते हैं निरूपा रॉय की बर्थ एनिवर्सरी पर उनके जीवन से जुड़े अनसुने किस्सों के बारे में...

निरूपा रॉय का जन्म गुजरात में हुआ था। अभिनेत्री का असली नाम कोकिला किशोरचंद्र बलसारा था, फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद उन्होंने अपना नाम बदलकर निरूपा रॉय रख दिया। बताया जाता है कि उन्होंने चौथी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी। जब निरूपा रॉय 15 साल की थीं, तभी उनके पिता ने उनकी शादी कमल रॉय से कर दी थी। उनके पति अभिनेता बनना चाहते थे। एक्टर बनने का सपना संजोए हुए कमल रॉय वर्ष 1945 में निरूपा रॉय को लेकर मुंबई आ गए। उनके पति मुंबई में ऑडिशन देने के लिए जाते थे। एक दिन वे निरूपा को भी अपने साथ गुजराती फिल्म के ऑडिशन के लिए ले गए और वहां वह मुख्य किरदार निभाने के लिए सलेक्ट हो गईं। इसके बाद निरूपा रॉय ने पीछे मुडकर नहीं देखा और कई सुपरहिट फिल्में दीं।

अभिनेत्री ने फिल्म 'मुनीम जी' से मां की भूमिकाएं निभाना शुरू किया, इस फिल्म में वे खुद से बड़े देवानंद की मां बनी थीं। 1953 में 'दो बीघा जमीन' से वे हिंदी सिनेमा की हिट हीरोइनों की लिस्ट में शुमार हो गईं। 1975 में यश चोपड़ा की 'दीवार' उनके करियर का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। इसके बाद वे कई फिल्मों 'खून पसीना', 'इंकलाब', 'अमर अकबर एंथोनी', 'सुहाग', 'गिरफ्तार', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'मर्द' और 'गंगा–यमुना–सरस्वती' में नजर आईं। निरूपा रॉय को लीड अभिनेत्री से ज्यादा अमिताभ बच्चन की मां के रोल से लोकप्रियता मिली। बॉलीवुड की 'मां' कही जाने वाली अभिनेत्री निरूपा रॉय को 50 के दशक में 'देवी' माना जाता था। उन्होंने 70–80 के दशक में इतनी फिल्मों में मां का किरदार निभाया था कि उन्हें असल जिंदगी में 'मां' कहा जाने लगा। उनके द्वारा निभाए गए 'मां' के किरदारों को दर्शकों ने खूब सराहा।

धनुष स्टारर कैप्टन मिलर के प्री रिलीज इवेंट में ऐश्वर्या रघुपति से छेड़खानी

एंटरटेनमेंट डेस्क। धनुष स्टारर 'कैप्टन मिलर' एक पीरियड एक्शन फिल्म है, जो 12 जनवरी को थिएटर में रिलीज होगी। बुधवार को मेकर्स ने फिल्म के लिए प्री–रिलीज इंवेट आयोजित किया था। अरुण मथेश्वरन की फिल्म कैप्टन मिलर इस साल की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। धनुष स्टारर यह फिल्म एक पीरियड एक्शन फिल्म है, जो मकर संक्रांति के मौके पर 12 जनवरी को यह फिल्म थिएटर में रिलीज होगी। बुधवार को मेकर्स ने इस फिल्म के लिए प्री–रिलीज इंवेट आयोजित किया था, जिसमें फिल्म के कलाकार और क्रू शामिल हुएं। इस कार्यक्रम में एंकर ऐश्वर्या रघुपति के साथ छेड़खानी का मामला सामने आया है। ऐश्वर्या ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका घटना के बारे में बताया।

वहीं, इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ऐश्वर्या एक शख्स की पिटाई करते दिख रही हैं। शख्स पर आरोप था कि उसने कार्यक्रम के दौरान ऐश्वर्या के साथ छेड़छाड़ की। ऐश्वर्या ने अपने इंस्टाग्राम पर इस घटना का जिक्र करते हुए एक स्टोरी भी शेयर की। उन्होंने लिखा, भीड़ में मेरे साथ छेड़खानी हुई, जिसके बाद मैंने उस व्यक्ति का सामना किया और उसकी पिटाई भी की। ऐश्वर्या ने आगे कहा कि उनके आस–पास बहुत अच्छे लोग हैं, लेकिन ऐसे कुछ हैवानों के होने की वजह से डर भी लगाता है।

अरुण मथेश्वरन के साथ धनुष की पहली फिल्म है कैप्टन मिलर

गौरतलब है कि 'कैप्टन मिलर' के जरिए फिल्म 'रॉकी' के निर्देशक अरुण मथेश्वरन के साथ यह धुनष की पहली फिल्म है, जो पीरियड एक्शन पर आधारित है। इस फिल्म में धनुष के अलावा राजकुमार, प्रियंका मोहन, संदीप किशन, विनोथ किशन जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में धनुष एक विद्रोही नेता का किरदार निभा रहे हैं। चर्चा है कि इस फिल्म की तीन भाग की फ्रेंचाइजी बनाई जाएगी। कैप्टन मिलर इसका पहला भाग होगा।

जसप्रीत बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका में तीसरी बार लिया पंजा, शेन वार्न-एंडरसन जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

केपटाउन । जसप्रीत बुमराह ने दूसरी पारी में छह विकेट लिए और दिग्गजों के क्लब में जगह बनाई। इस दौरान उन्होंने शेन वॉर्न और जेम्स एंडरसन जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ दिया। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने मैच की दूसरी पारी में छह विकेट निकाले। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के चलते भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 176 रन पर आउट कर दिया। इस मैच में सभी 20 विकेट भारत के तेज गेंदबाजों ने लिए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में यह सिर्फ तीसरा मैका था, जब सभी विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए हैं। इससे पहले 2018 में दक्षिण अफ्रीका और 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ ऐसा हुआ था। उन दोनों मुकाबलों में भी बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की थी। इस पारी में छह विकेट लेने के साथ ही बुमराह ने कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। दक्षिण अफ्रीकी जमीन पर बुमराह टेस्ट में 38 विकेट ले चुके हैं। इस देश में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीयों की सूची में वह तीसरे स्थान पर हैं। इस सूची में अनिल कुंबले 45 विकेट के साथ पहले और जवागल श्रीनाथ 43 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। बुमराह ने सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड) में छठी बार पांच विकेट लिए हैं। इस मामले में वह सिर्फ कपिलदेव से पीछे हैं, जिन्होंने सेना देशों में सात बार पंजा झटका है। भगवत चंद्रशेखर और जहीर खान ने भी सेना देशों में छह बार पांच विकेट लिए थे।

दक्षिण अफ्रीका में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय

टेस्ट में

45	अनिल कुंबले
43	जवागल श्रीनाथ
38*	जसप्रीत बुमराह
35	मोहम्मद शमी
30	जहीर खान

दक्षिण अफ्रीका में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने के मामले में भी बुमराह ने जवागल श्रीनाथ की बराबरी कर ली है। दोनों ने अफ्रीकी धरती पर तीन बार यह कारनामा किया है। न्यूलैंड्स के मैदान में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजी की सूची में बुमराह दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वह अब तक इस मैदान में 18 विकेट ले चुके हैं। वहीं, इंग्लैंड के कोलिन ब्लिथ 25 विकेट के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं।

केपटाउन में बुमराह ने बनाए ये रिकॉर्ड्स

न्यूलैंड्स में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले विदेशी गेंदबाज
25 – कॉलिन बेलीथ (इंग्लैंड)
18–जसप्रीत बुमराह (भारत)
17 – शेन वार्न (ऑस्ट्रेलिया)
16 – जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड)
15 – जॉनी ब्रिग्स (इंग्लैंड)

दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज
3– जवागल श्रीनाथ
3–जसप्रीत बुमराह
2 – वेंकटेश प्रसाद
2 – एस श्रीसंत
2 – मोहम्मद शमी

सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) देशों में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज
7–कपिल देव
6 – भागवत चन्द्रशेखर
6– जहीर खान
6–जसप्रीत बुमराह

दक्षिण अफ्रीका में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज
45 – अनिल कुंबले
43 – जवागल श्रीनाथ
38′–जसप्रीत बुमराह
35–मोहम्मद शमी
30– जहीर खान।

टी20 विश्व कप 2024 का शेड्यूल जारी

नौ जून को होगा भारत-पाकिस्तान मैच

टी20 विश्व कप 2024 में भारत का शेड्यूल

5 जून
भारत बनाम आयरलैंड, न्यूयॉर्क
9 जून
भारत बनाम पाकिस्तान, न्यूयॉर्क
12 जून
भारत बनाम अमेरिका, न्यूयॉर्क
15 जून
भारत बनाम कनाडा, फ्लोरिडा

किस ग्रुप में कौन सी टीम

ग्रुप एः भारत, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, अमेरिका
ग्रुप बीः इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, नामीबिया, स्कॉटलैंड, ओमान
ग्रुप सीः न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान, युगांडा, पापुआ न्यू गिनी
ग्रुप डीः दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, बांग्लादेश, नीदरलैंड, नेपाल

नई दिल्ली। आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत का पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ होगा। वहीं, भारत पाकिस्तान मैच नौ जून को खेला जाएगा। भारत का तीसरा मैच 12 जून को अमेरिका और चौथा मैच 15 जून को कनाडा के साथ होगा। आईसीसी ने टी20 विश्व कप 2024 का शेड्यूल जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 20 टीमों के बीच 1–29 जून के बीच होगा। पहला मैच एक जून को कनाडा और अमेरिका के बीच होगा। वहीं, फाइनल मैच 29 जून को बारबाडोस के मैदान पर खेला जाएगा। भारत का पहला मैच पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ होगा। वहीं, भारत पाकिस्तान मैच नौ जून को खेला जाएगा। भारत का तीसरा मैच 12 जून को अमेरिका और चौथा मैच 15 जून को कनाडा के साथ होगा। वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें भाग लेंगी। सभी टीमों को पांच–पांच टीम के चार ग्रुप में बांटा गया है। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका के साथ रखा गया है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

मंधाना ने लगाई रिकाड्र्स की झड़ी

टी20 में पूरे किए तीन हजार रन, रोहित-कोहली के क्लब में शामिल

स्पोट्र्स डेस्क। स्मृति मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय टी20 में तीन हजार रन पूरे करने वाली छठी खिलाड़ी हैं। इस मामले में सूजी बेट्स पहले स्थान पर हैं। उनके नाम 152 मैचों की 149 पारियों में 4118 रन हैं। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। मंधाना ने 52 गेंद पर 54 रन की पारी खेली। उन्होंने टीम को पहले मैच में नौ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मंधाना ने अपनी पारी के अंतरराष्ट्रीय टी20 में तीन हजार रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम गेंदें खेलकर पर इस आंकड़े तक पहुंचने वाली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने इस मामले में न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मंधाना ने 2461 गेंदों पर ही अंतरराष्ट्रीय टी20 में तीन हजार रन पूरे कर लिए। सोफी डिवाइन ने इसके लिए 2470 गेंदों का सामना किया था। इस मामले में तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लेनिंग और चौथे पायदान पर न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स हैं। लेनिंग ने 2597 और बेट्स ने 2679 गेंदों पर तीन हजार रन पूरे किए थे।

रोहित–कोहली के क्लब में मंधाना

मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन हजार रन पूरे करने वाली भारत की चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर के नाम यह उपलब्धि दर्ज हो चुकी है। कोहली ने 107 पारियों में 4008 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित के नाम 140 पारियों में 3853 रन दर्ज हैं। हरमनप्रीत कौर ने 143 पारियों में 3195 रन बनाए हैं। अब मंधाना इस लिस्ट में शामिल हो गई हैं। उन्होंने 122 पारियों में 3052 रन बनाए हैं।

महिला टी20 में टाप–6 बल्लेबाज

महिला क्रिकेट की बात करें तो वह अंतरराष्ट्रीय टी20 में तीन हजार रन पूरे करने वाली छठी खिलाड़ी हैं। इस मामले में सूजी बेट्स पहले स्थान पर हैं। उनके नाम 152 मैचों की 149 पारियों में 4118 रन हैं। मंधाना को अभी उनके करीब पहुंचने में काफी वक्त लगेगा।

बल्लेबाज देश	मैच	रन	
सूजी बेट्स न्यूजीलैंड	152	4118	
मेग लेनिंग ऑस्ट्रेलिया	132	3405	
स्टेफनी टेलर	वेस्टइंडीज	117	3236
हरमनप्रीत कौर	भारत	159	3195
सोफी डिवाइन	न्यूजीलैंड	127	3107
स्मृति मंधाना	भारत	126	3052

फाली के साथ तीसरी बार की शतकीय साझेदारी

मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। उन्होंने तीसरी बार शेफाली के साथ टी20 में शतकीय साझेदारी की है। यह भारत के लिए सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी करने वाली जोड़ी बन गई। मंधाना और शेफाली ने तीन बार ऐसा किया है। इससे पहले मंधाना ने पूर्व कप्तान मिताली राज के साथ दो बार शतकीय साझेदारी की थी।

मंधाना ने बनाया एक अनोखा रिकार्ड

मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय में तीन हजार रन पूरे करने वाली पहली बाएं हाथ की बल्लेबाज बन गई हैं। उनसे पीछे ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ओपनर डेविड वॉर्नर हैं। उन्होंने 2894 रन बनाए हैं। पाकिस्तान की बिस्माह मारूफ ने 2893 और श्रीलंका की चमारी अटापट्टू ने 2651 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी के नाम 2508 रन हैं।